देशबन्धु

वर्ष – 36 । अंक –137 । भोपाल, सोमवार, 19 मई 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

ग्रामीण क्षेत्रों में छोलाझाप चिकित्सकों का जाल — पृष्ठ 2

▸ विदेश जाएं मोदी का जयगान करें थरूर, मगर कांग्रेस छोड़कर! ▸ आ रहे हैं घर सभी जद में... — पृष्ठ 4

▸ साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर की चर्चा, लोगों को जागरुक करने पर जोर — पृष्ठ 5

कर्मयोगी हैं कर्मचारी, उनकी कर्तव्य निष्ठा से ही अग्रणी राज्यों में शामिल है मध्यप्रदेश — पृष्ठ 8

सार-समाचार

विदेश मंत्री जयशंकर आज से तीन देशों की यात्रा पर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर 19 से 24 मई तक नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की छह दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कार्यक्रम की घोषणा की। यह यात्रा 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की कूटनीतिक गतिविधियों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना और प्रमुख यूरोपीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाना है। इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, निवेश और आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

आरसीपी सिंह ने अपनी पार्टी का जनसुराज में किया विलय

पटना, एजेंसी। जेडीयू से अलग होकर अपनी नई पार्टी बनाने वाले आरसीपी सिंह ने अपनी पार्टी का विलय जनसुराज में कर दिया। जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि आरसीपी सिंह के साथ आने से जनसुराज को ताकत मिलेगी। इस दौरान दोनों नेताओं ने जेडीयू और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला। इस मौके पर जनसुराज पार्टी के चीफ प्रशांत किशोर ने कहा कि हम आरसीपी सिंह को हृदय से धन्यवाद देते हैं। उनके आने से पार्टी को बहुत बड़ा फायदा होगा। उसे सोच को भी फायदा होगा, जो लोग चाहते हैं कि बिहार में अलग राजनीतिक व्यवस्था बने।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के तुर्की व अजरबैजान के साथ एमओयू रद्द

चंडीगढ़, एजेंसी। राज्यसभा सांसद और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू ने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि बताते हुए तुर्की और अज़रबैजान की 23 यूनिवर्सिटियों के साथ शैक्षणिक सहयोग के सभी समझौता ज्ञापन (एमओयू) तत्काल प्रभाव से रद्द करने की घोषणा की। यह निर्णय भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की और अजरबैजान द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करने के विरोध में लिया गया है। संधू ने कहा, खून और शिक्षा एक साथ नहीं बह सकती। देश के सम्मान से बड़ा हमारे लिए कुछ नहीं है।

देहरादून में 6 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड पुलिस ने 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें 4 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। सभी देहरादून और हरिद्वार में नाम छिपाकर रह रहे थे। उत्तराखंड के देहरादून जिले में क्लेमेंटटाउन थाना के अंतर्गत 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी की मदद करने के आरोप में एक भारतीय महिला को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी बांग्लादेशी नागरिकों से मिलिट्री इंटेलिजेंस और आईबी पूछताछ कर रही है।

मेघालय में पाक का समर्थन करने के आरोप में 2 गिरफ्तार

शिलांग, एजेंसी। मेघालय के उत्तरी गारो हिल्स जिले में पाकिस्तान का समर्थन करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को बाजेंगडोबा थाने के अंतर्गत चोरेबोलबोक गांव के सिलग्रिंग डी. संगमा और चंबिलदम गांव के अस्बाथ बी. मारक को गिरफ्तार किया गया। उत्तरी गारो हिल्स जिले के जिला पुलिस के प्रमुख स्वप्निल पवार ने बताया कि दोनों व्यक्तियों को सोशल मीडिया पर गारो भाषा में धार्मिक घृणा से भरा संदेश फैलाते और भारत के खिलाफ नारे लगाते तथा पाकिस्तान द्वारा भारत पर हमलों का समर्थन करते और भड़काते देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सिलग्रिंग डी. संगमा का वीडियो हाल ही में फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर वायरल हुआ था। उन्होंने कहा कि वीडियो की सामग्री भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ है, खासकर मौजूदा स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इस सिलसिले में पुलिस ने धारा 152/197 (1) (डी) बीएनएस, 2023 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

हैदराबाद में दर्दनाक हादसा

चारमीनार के पास इमारत में लगी आग, 17 की मौत

▸ मृतकों में 8 बच्चे भी हैं शामिल
▸ शॉर्ट सर्किट बताई जा रही वजह

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार सुबह एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। घटना के समय इमारत में 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इनमें से 15 से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया। मौके पर फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियां पहुंची थीं। आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को 2 घंटे मशक्कत करनी पड़ी।

आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, लेकिन अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, हादसे में संपत्ति के नुकसान का अंदाजा भी नहीं लगाया जा सका है। अग्निशमन विभाग का कहना है कि सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बेहोशी की हालत में मिले और करीब 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

लोग बाहर नहीं निकल सके

पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ज्वेलरी की दुकानें थीं और ऊपर के फ्लोर पर लोग रहते थे। आग दुकानों में लगी और ऊपर तक फैल गई। बिल्डिंग में सिर्फ एक संकरी सीढ़ी थी, जिससे लोग बाहर नहीं निकल सके और दम घुटने से मौत हो गई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अधिकारियों को आग में फंसे लोगों को बचाने के लिए सभी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने दुख जताया, मुआवजे का किया ऐलान

घटना पर प्रधानमंत्री मोदी ने गहरा दुख जताया है। पीएमओ ने एक्स पर लिखा – हैदराबाद में आग की घटना में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उन्हें संवेदनाएं। घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं। पीएम राहत कोष से मृतकों के परिजन को 2–2 लाख रुपए और घायलों को 50–50 हजार रुपए की मदद दी जाएगी।

इसरो का ईओएस-09 मिशन हुआ फेल

इसरो प्रमुख बोले 'हम वापसी करेंगे'

श्रीहरिकोटा, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का ईओएस–09 मिशन तीसरे चरण में चूक गया। इसकी जानकारी इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने दी। इसे पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी–सी61) से लॉन्च किया गया था, जो कुछ ही मिनटों में असफल हो गया।

आधिकारिक एक्स पोस्ट में बताया गया कि रविवार को 101वां प्रक्षेपण प्रयास किया गया, पीएसएलवी–सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य रहा। तीसरे चरण में तकनीकी खामी पेश आई जिससे वो चूक गया। इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने जानकारी दी कि पीएसएलवी के चार चरणों में से पहले दो चरणों

का प्रदर्शन सामान्य रहा, लेकिन तीसरे चरण में तकनीकी खामी के कारण मिशन को पूरा नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा, 'हम विश्लेषण के बाद वापसी करेंगे।' इसरो ने एक्स पर लिखा, पीएसएलवी–सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य रहा। तीसरे चरण में एक तकनीकी ऑब्जर्वेशन के कारण मिशन पूरा नहीं हो पाया। इसरो ने रविवार सुबह 5:59 बजे ईओएस–09 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया था। ईओएस–09 को सूर्य समकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित किया जाना था, लेकिन तकनीकी खामियों के चलते सैटेलाइट को उसकी निर्धारित कक्षा में नहीं पहुंचाया जा सका।

मायावती ने भतीजे पर फिर जताया विश्वास, समन्वयक बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दी है। मायावती ने आकाश आनंद पर भरोसा जताते हुए फिर बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसको लेकर एक बयान भी जारी किया है। इस बयान में बताया गया है कि बसपा अध्यक्ष मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है, साथ ही उन्हें देश में पार्टी के आगे के कार्यक्रम भी दिए गए।

महाराष्ट्र व गोवा बार काउंसिल के समारोह में पहुंचे थे

प्रोटोकॉल टूटने से मुख्य न्यायाधीश हुए नाराज

- बोले- महाराष्ट्र के बड़े अधिकारी प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते
- संवैधानिक संस्थाओं के आपसी सम्मान का भी विषय

मुबई, एजेंसी। महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय वकील सम्मेलन में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई का भव्य सत्कार समारोह संपन्न हुआ. इस अवसर पर न्यायमूर्ति गवई ने भावुक होते हुए कहा कि वे सभी के प्रेम और सम्मान से अभिभूत हैं। लेकिन उन्होंने प्रोटोकॉल टूटने पर नाराजगी भी जताई।

उन्होंने कहा, पिछले 40 वर्षों से उन्हें जिस प्रकार का स्नेह मिला है, वह आज के समारोह में अपने चरम पर था और यह क्षण उनके लिए अविस्मरणीय बन गया है। मुख्य न्यायाधीश का चार्ज लेने के बाद वह पहली बार महाराष्ट्र पहुंचे थे. इस दौरान सीजेआई ने राज्य के शीर्ष अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर महाराष्ट्र के प्रोटोकॉल पर नाराजगी जताई।

समारोह में उन्होंने महाराष्ट्र के लोकतंत्र, प्रशासन और न्यायिक व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा, यह राज्य न केवल न्यायिक रूप से सशक्त है बल्कि समावेशी भी है। उन्होंने राज्य के शीर्ष अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी भी जताई। उन्होंने कहा, जब भारत के मुख्य न्यायाधीश पहली बार राज्य की यात्रा पर आते हैं और राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक व मुंबई पुलिस आयुक्त उपस्थित नहीं होते तो यह केवल प्रोटोकॉल का नहीं, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं के आपसी सम्मान का विषय है।

अपने संघर्षों को किया याद

मुख्य न्यायाधीश ने अपने जीवन के संघर्षों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अमरावती की झोपड़पट्टी में रहकर नगर निगम के स्कूल से शिक्षा प्राप्त की. वकील बनना उनका सपना नहीं था, उन्हें वास्तुकला में रुचि थी, पर उनके पिता जो अंबेडकर आंदोलन से जुड़े थे, कानून की पढ़ाई करना चाहते थे। वे स्वयं परीक्षा नहीं दे सके, लेकिन उन्होंने चाहा कि उनका बेटा इस मार्ग को अपनाए और वही सपना उन्होंने आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, संविधान के प्रति उनका प्रेम बचपन से ही विकसित हुआ, क्योंकि उनके पिता संविधान को अत्यधिक मानते थे।

लश्कर का टॉप कमांडर सैफुल्लाह पाकिस्तान में ढेर

- अज्ञात हमलावरों ने दिन दहाड़े गोलियों से छलनी किया
- आरएसएस मुख्यालय पर हमले का था मुख्य साजिशकर्ता

इस्लामाबाद, एजेंसी। आतंकियों को पालने वाले पाकिस्तान में ही एक के बाद एक आतंकियों की हत्या की जा रही है। अब लश्कर–ए–तैयबा के एक और टॉप कमांडर की पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी है। लश्कर–ए–तैयबा और जमात नेता रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह को पाकिस्तान के सिंध प्रांत में मतली फालकारा चौक इलाके में मार दिया गया। कहा जा रहा है कि यहां अज्ञात हमलावरों ने दिन दहाड़े लश्कर के कमांडर को गोलियों से छलनी कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि रजाउल्ला को पाकिस्तान सरकार ने सुरक्षा भी मुहैया कराई हुई थी। वह रविवार दोपहर को सिंध के मतली स्थित अपने घर से कहीं जाने के लिए बाहर निकला था। एक क्रॉसिंग के पास अज्ञात बंदूकधारियों ने रजाउल्ला की गोली मारकर हत्या कर दी। सैफुल्लाह लंबे समय तक नेपाल में फर्जी पहचान के साथ छिपकर रहा था और अपने नापाक मंसूबों को अंजाम दे रहा था। भारतीय खुफिया एजेंसियों को सैउल्लाह के नेपाल में छिपे होने की जानकारी हुई तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया। पाकिस्तान में पिछले कुछ महीनों के दौरान अज्ञात बंदूकधारी कई आतंकियों को मौत के घाट उतार चुके हैं। इस साल मार्च में अज्ञात बंदूकधारियों ने लश्कर आतंकी फैजल नदीम उर्फ अबु कताल सिंधी की हत्या कर दी। कहा जाता है कि अबु कताल लश्कर सरगना हाफिज सईद का भतीजा था। कताल ने ही पिछले साल 9 जून को रियासी के शिव खोड़ी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर हमला कराया था।

इन हमलों में थी अहम भूमिका

सैफुल्लाह को 2006 में नागपुर में आरएसएस मुख्यालय पर हुए हमले का मुख्य आरोपी बताया जाता है। इससे अलावा, उसे रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमले और 2005 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस बेंगलुरू में हमले का भी साजिशकर्ता बताया जाता है। दावा किया जा रहा है कि सैफुल्लाह लश्कर के ऑपरेशनल कमांडर आजम चीमा का सहयोगी था।

भारत ने दिया झटका

बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट्स व प्रोसेस्ड फूड के आयात पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। एक महत्वपूर्ण व्यापार नीति बदलाव के तहत भारत ने बांग्लादेश से भूमि बंदरगाहों के माध्यम से देश में रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी), प्रोसेस्ड फूड और अन्य वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने बांग्लादेश से भारत में रेडीमेड गारमेंट्स, प्रोसेस्ड फूड जैसे कुछ सामानों के आयात पर भूमि बंदरगाह प्रतिबंध लगाते हुए एक अधिसूचना जारी की। डीजीएफटी ने अपनी अधिसूचना में कहा, हालांकि, इस तरह के बंदरगाह प्रतिबंध भारत से होकर गुजरने वाले बांग्लादेशी सामानों जो कि नेपाल और भूटान जा रहे हैं, पर लागू नहीं होंगे। निर्देश के अनुसार, बांग्लादेश से सभी प्रकार के रेडीमेड गारमेंट्स का आयात किसी भी भूमि बंदरगाह से नहीं किया जाएगा, हालांकि, इसे केवल न्हावा शेवा और कोलकाता बंदरगाहों के माध्यम से अनुमति दी गई है।

अन्य प्रतिबंध फल या फल के स्वाद वाले और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों के आयात, प्रोसेस्ड फूड आइटम्स, कपास और सूती धागे का वेस्ट, प्लास्टिक और पीवीसी तैयार माल और लकड़ी के फर्नीचर पर हैं। इन वस्तुओं को असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में किसी भी लैंड कस्टम स्टेशन (एलसीएस) या इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) के माध्यम से अनुमति नहीं दी जाएगी । साथ ही पश्चिम बंगाल में एलसीएस चंगराबांधा और फुलबारी से भी अनुमति नहीं होगी। अधिसूचना में आगे लिखा गया है कि बंदरगाह प्रतिबंध बांग्लादेश से मछली, एलपीजी, खाद्य तेल और क्रश्ड स्टोन के आयात पर लागू नहीं होते हैं।

भोपाल के प्रमुख प्रवेश मार्गों पर बनेंगे 9 द्वार, मुख्यमंत्री ने भोज-नर्मदा द्वार का किया भूमि पूजन, बोले-

भावी पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ना जरूरी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान और भावी पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ना और उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक चेतना को जानने का सजीव अवसर प्रदान करना आवश्यक है। प्रदेश के नगरों के मुख्य प्रवेश मार्गों पर महापुरूषों की स्मृति में बन रहे सांस्कृतिक द्वार इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी के उज्जवल भविष्य निर्माण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। राजा भोज सहित अन्य महापुरूषों के गौरवशाली इतिहास को पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री यादव भोपाल में नर्मदापुरम मार्ग पर समरधा में निर्मित होने वाले भोज–नर्मदा द्वार के भूमि–पूजन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित 10 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का इस कार्यक्रम से वर्च्युअल लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, खेल युवक कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा और विधायक भगवान दास सबनानी उपस्थित थे।

भोपाल नगर निगम ने नीमच में स्थापित किया 10 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल प्रदेश की राजधानी है। यहां प्रदेश के विभिन्न अंचलों की संस्कृति और इतिहास को अभिव्यक्ती प्रदान की जाएगी। भोपाल के प्रमुख प्रवेश मार्गों पर निर्मित होने वाले 9 द्वारों पर माँ नर्मदा के तट पर विद्यमान प्रमुख तीर्थों सहित सभी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक संदर्भ उकेरे जाएंगे। उज्जैन में निर्मित महामृत्युंजय द्वार, विभिन्न काल में उज्जैन के इतिहास और प्रमुख घटनाओं को अभिव्यक्त करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पाकिस्तान के विरूद्ध ऑपरेशन सिंदूर में भारत की जीत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व क्षमता और भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहन कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विश्व के सामने ऑपरेशन सिंदूर में आंतकियों के विरूद्ध की गई कार्रवाई को सशक्त रूप से प्रस्तुत कर नारी शक्ति के सामर्थ्य का प्रकटीकरण किया है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेतृत्व में हम आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ–साथ आत्मनिर्भर नगर निगम व नगर पालिका के सपने को साकार करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना, आत्मनिर्भता की ओर एक प्रभावी कदम है। भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि 5 करोड़ रुपए की लागत से भोज–नर्मदा द्वार का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित किए जा रहे सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग भोपाल की जल प्रदाय व्यवस्था के संचालन में किया जाएगा। कार्यक्रम को विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी संबोधित किया।

लोग बेसब्री से कर रहे थे आज के दिन का इंतजार

सीजफायर की कोई समाप्ति तारीख नहीं : सेना

• **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, देशबन्धु। जम्मू कश्मीर के प्रत्येक नागरिक खासकर सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लाखों नागरिकों की जान में जान उस समय आई जब सेना ने इसे प्रति घोषणा करके आश्वस्त किया कि 10 मई को आरंभ हुए सीजफायर की कोई एक्सपायरी डेट नहीं है और अब इस मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं होनी है। दरअसल सीमांत नागरिकों जहां तक कि नागरिक प्रशासन में भी इसको लेकर भ्रम और असुरक्षा की भावना इसलिए थी क्योंकि देशभर के नेता कहते फिर रहे थे कि आपरेशन सिंदूर को फिलहाल स्थगित किया गया है और इस डर में तड़का पाकिस्तान यह कह कर लगा रहा था कि 18 मई तक ही सीजफायर जारी है और इसके उपरांत इस पर भारत से बात होनी है।

पर आज सुबह भारतीय सेना ने कहा है कि रविवार को भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच कोई वार्ता निर्धारित नहीं थी। सेना प्रवक्ता ने कहा कि इस धारणा को खारिज करते हुए कि यह विराम अस्थायी था और आज समाप्त हो जाएगा उन्होंने कहा कि जहां तक डीजीएमओ (सैन्य संचालन महानिदेशक) की बातचीत के दौरान तय किए गए शत्रुतापूर्ण विराम को जारी रखने का सवाल है, इसकी कोई समाप्ति तिथि नहीं है। अधिकारी ने कहा कि रविवार को भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच कोई वार्ता निर्धारित नहीं थी।

हालांकि 12 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने महत्वपूर्ण चर्चा की, जिसमें गोलीबारी या किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई से बचने के लिए आपसी समझौते को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि इस बात पर भी सहमति हुई कि दोनों पक्ष सीमाओं और अग्रिम क्षेत्रों से सैनिकों की संख्या में कमी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपायों पर विचार करें।

स्वास्थ्य विभाग जानकर भी बेखबर, एफआईआर दर्ज होने के बाद शिथिल पड़ी कार्रवाई

ग्रामीण क्षेत्र में झोलाछाप चिकित्सकों का जाल

छुटपुट कार्रवाईयों को छोड़ दिया जाए तो राज्य सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ा दी गई

गुना, देशबन्धु। गुना जिले के ग्रामीण अंचल में झोलाछाप चिकित्सकों की सक्रियता बढ़ती जा रही है, जो ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। खासकर बमौरी और चांचौड़ा ब्लॉक में इनकी संख्या अधिक है, जहां प्रत्येक गांव में दो से तीन ऐसे कथित चिकित्सक मौजूद हैं। हैरानी की बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग इस गंभीर समस्या के प्रति लापरवाह बना हुआ है। गौरतलब है कि दो साल पहले स्वास्थ्य विभाग ने इन झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ एक अभियान चलाया था, जिसके तहत मधुसूदनगढ़ और बमौरी क्षेत्रों में कुछ पर एफआईआर भी दर्ज की गई थी। हालांकि, जिला प्रशासन का यह अभियान कुछ दिनों बाद ही शिथिल पड़ गया, जिससे इन अवैध चिकित्सकों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ये झोलाछाप चिकित्सक एक इंजेक्शन से बीमारियों को ठीक करने का दावा कर भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इसके चलते ग्रामीण अपना पैसा और स्वास्थ्य दोनों दांव पर लगा रहे हैं। कुछ लोग तो आयुर्वेद औषधि के नाम पर भी ग्रामीणों से ठगी कर रहे हैं। इन झोलाछाप चिकित्सकों की सक्रियता का मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है। सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में स्टाफ की कमी है और अधिकांश केंद्रों पर चिकित्सक उपलब्ध नहीं होते हैं। जहां चिकित्सक तैनात भी हैं, वे अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। बीनागंज में हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया था, जहां घायल व्यक्ति के परिजनों ने चिकित्सक की अनुपस्थिति और एम्बुलेंस न मिलने का आरोप लगाया था। सबसे चिंताजनक बात यह है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि भी इस गंभीर मुद्दे पर उदासीन बने हुए हैं। जनप्रतिनिधियों का यह दायित्व है कि वे जिला प्रशासन को झोलाछाप चिकित्सकों के बारे में सूचित करें और प्रदेश सरकार से ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करें, लेकिन वे अपने इस कर्तव्य का निर्वहन नहीं कर रहे हैं।

मेडीकल स्टोर पर भी नियमों का उल्लंघन

ग्रामीण क्षेत्रों में एक और गंभीर समस्या यह है कि मेडिकल स्टोरों पर बिना डॉक्टर के पर्चे के दवाएं आसानी से मिल जाती हैं। लोग अक्सर इंटरनेट और यूट्यूब पर देखकर दवाएं खरीदने जाते हैं, जो उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो झोलाछाप चिकित्सकों के कारण कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं और लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द ही इन अवैध चिकित्सकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाया जाए।

स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं मिलता स्टाफ

बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य केंद्र पर नियमित रूप से स्टाफ उपलब्ध नहीं होने की वजह से युवती झोलाछाप चिकित्सक के पास गई थी। कुछ ऐसी ही जानकारी अन्य ग्रामीणों ने दी। उन्होंने बताया कि शासकीय स्वास्थ्य केंद्र पर आए दिन स्टाफ गैर हाजिर रहता है। इसलिए झोलाछाप चिकित्सकों के पास जाकर इलाज कराना उन्होंने आदत में शुमार कर दिया है। लोग पहने ही कहने लगते हैं कि अस्पताल जाने से कोई फायदा नहीं होगा, वहां कोई नहीं मिलेगा। किसी झोलाछाप के पास जाकर ही दवाएं मिल सकती हैं। इस तरह की मानसिकता के पीछे स्वास्थ्य की लापरवाही और अनदेखी को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

आदेशों की उड़ा दी धज्जियां

जिले में स्वास्थ्य से संबंधित हालात विकराल होने के पीछे स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही भी सामने आ रही है। दरअसल, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा झोलाछाप चिकित्सकों पर कार्रवाई करने के आदेशों की अवहेलना करते हुए स्वास्थ्य विभाग ने गुना जिले में इक्का-दुक्का कार्रवाई ही की है। बमौरी में एक चिकित्सक के खिलाफ एफआईआर कराई गई। मधुसूदनगढ़ में कुछ दुकानें सील की गईं। इसके अलावा छुटपुट कार्रवाईयों को छोड़ दिया जाए तो राज्य सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ा दी गई।

हनुमान जयंती की घटना के बाद प्रशासन सतर्क

धार्मिक स्थलों पर सीसीटीवी लगाने के आदेश, फिर बंद होंगे धुलाई सेंटर

- बिना हेलमेट वाले व्यक्तियों को पेट्रोल न दें और डिब्बे या बोतलों में पेट्रोल न बेचें

जिले के प्रभारी मंत्री ने की कानून व्यवस्था की समीक्षा

गुना, देशबन्धु। गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने रविवार को गुना पहुंचकर जिले की कानून व्यवस्था, सामाजिक समरसता, जल संकट और मजदूर कल्याण से जुड़े मुद्दों पर समीक्षा की। उन्होंने प्रशासनिक अमले को निर्देशित किया कि जिले में किसी भी हाल में शांति व्यवस्था भंग न हो। सर्किट हाउस में बंद कमरे में कलेक्टर और एसपी से चर्चा के बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें आगामी त्योहारों, सांप्रदायिक सौहार्द और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक के शुरुआत में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने प्रभारी मंत्री को पौधा भेंट कर स्वागत किया और जिले की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि हाल ही में सांप्रदायिक तनाव की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए 9 प्रकार के प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं, जिनमें सोशल मीडिया, भूसा भंडारण और निर्यात जैसे मुद्दे शामिल हैं। साथ ही आपदा प्रबंधन से जुड़े तैयारियों की भी जानकारी दी गई। प्रभारी मंत्री ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। विशेषकर हनुमान जयंती पर हुए पथराव की घटना को देखते हुए निर्णय लिया गया कि जिले के मंदिरों और मस्जिदों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे कंट्रोल रूम से जुड़े रहेंगे ताकि किसी भी घटना पर त्वरित निगरानी रखी जा सके। इसके साथ ही छतों पर पत्थरों की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में चांचौड़ा क्षेत्र में हाल ही में मुक्त कराए गए 50 से अधिक मानसिक रूप से विक्षिप्त मजदूरों का मुद्दा भी उठा। अधिकारियों ने बताया कि इन मजदूरों को मुक्त कराकर उनका पुनर्वास किया गया है और आगे भी ऐसे मामलों में सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर प्रभारी मंत्री ने एसपी को निर्देश दिए कि प्रमुख मार्गों पर वन वे व्यवस्था लागू की जाए ।

गर्मी के चलते जिले में उत्पन्न हो रहे जल संकट पर मंत्री राजपूत ने गंभीर चिंता जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि गाडियों के धुलाई सेंटरों को तत्काल बंद कराया जाए ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके। साथ ही नगर पालिका द्वारा टैंकरों के जरिए जल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु और समय पर सुनिश्चित किया जाए। खेतों में नरवाई जलाने की घटनाओं को लेकर उन्होंने कृषि विभाग को जागरूकता अभियान चलाने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

प्रभारी मंत्री ने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित किया कि बिना हेलमेट वाले व्यक्तियों को पेट्रोल न दें और डिब्बे या बोतलों में पेट्रोल न बेचें। सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम आवश्यक बताया गया। चांचौड़ा विधायक बोलीं, डेटा स्टोर कराया जाए। बैठक के दौरान चांचौड़ा विधायक प्रियंका पेंची ने मंदिर-मस्जिदों में लगाए जाने वाले कैमरों के डेटा के लिए क्लाउड स्टोरेज की व्यवस्था की बात रखी, जिस पर विधायक निधि और जनभागीदारी से फंड एकत्र करने का प्रस्ताव सामने आया। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, चांचौड़ा विधायक प्रियंका पेंची, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, नगरपालिका अध्यक्ष सविता गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि सुमेर सिंह, कलेक्टर किशोर कन्याल, एसपी अंकित सोनी और जिले के अन्य अधिकारी एवं शांति समिति के सदस्य शामिल रहे।

सवालों को टाल गए प्रभारी मंत्री, डीजे पर सख्ती की बात कही

कलेक्ट्रेट में हुई शांति समिति की बैठक में सदस्यों से चर्चा करते हुए जिले में डीजे पर सख्ती बरकरार रखने की बात कही है। प्रभारी मंत्री ने कलेक्टर और पुलिस प्रशासन को हिदायत दी कि सिर्फ धीमी आवाज वाले डीजे ही चलाने की अनुमति दी जाए। इस आदेश का उल्लंघन होने पर कार्रवाई करने के निर्देश गोविंद सिंह राजपूत ने दिए हैं। गुना दौरे पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए राजपूत केबिनेट मंत्री विजय शाह और जगदीश देवड़ा द्वारा सेना पर की गई टिप्पणी के सवाल को पूरी तरह टाल गए। उन्होंने कहाकि इन सवालों का जवाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ही बेहतर तरीके से दे पाएंगे। गुना विधायक पन्नालाल द्वारा पार्टी और सरकार पर उपेक्षा के आरोप लगाने पर गोविंद सिंह ने मजाकिया लहजे में कहा कि पन्नालाल वरिष्ठ विधायक हैं, उनकी हर बात सुनी जाती है। इसके बाद वे कलेक्ट्रेट से रवाना हो गए।

नागरिकों में जागरूकता लाने जिला एवं ग्राम स्तर पर विशेष अभियान

जिला प्रशासन ने सिंगवासा में रोका नाबालिग का विवाह

- परिजनों को दी समझाइश

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार में गुना जिले में हो रहे बाल विवाह की रोकथाम हेतु नागरिकों में जागरूकता लाने हेतु जिला एवं ग्राम स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है साथ ही बाल विवाह रोकने के कडे निर्देश दिए हैं। इसी अभियान के तहत चाइल्ड लाईन भोपाल से बाल विवाह के संबंध में सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सिंगवासा में बालिका जिसकी उम्र 15 वर्ष है, का बाल विवाह हो रहा है। इस हेतु विविध सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमति वंदना त्रिपाठी के निर्देशन में प्राप्त0 सूचना के तहत सुश्री दीपा शर्मा, परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास गुना ग्रामीण, राजस्व अमला एवं पुलिस दल के साथ बाल विवाह स्थल पर पहुचे तथा मौके पर बालिका की आयु संबंधी दस्तावेजों का अवलोकन किया गया, जिसमें पाया कि बालिका की आयु 15 वर्ष 07 माह है। इस संबंध में दिनेश कुमार चंदेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास गुना द्वारा बताया गया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार बालिका की आयु- 18 वर्ष से कम तथा बालक की आयु- 21 वर्ष से कम होने पर विवाह करना कानूनन अपराध है जिसमें एक लाख का जुर्माना तथा दो साल का सजा का प्रावधान है एवं विवाह सम्पहन्नव कराने वाले सेवा प्रदाता जैसे - हलवाई, पंडित, पुरोहित, डीजे, टेन्ट एवं विवाह में शामिल होने वाले भी अपराधी की श्रेणी में आते है। समझाइश के पश्चात बालिका के परिवारजनों द्वारा आश्वासन दिया कि बालिका की आयु 18 वर्ष पूर्ण होने पर ही बालिका का विवाह करेंगे। बाल विवाह रूकवाने एवं परिवारजनों को समझाइश देने वाले दल में नायब तहसीलदार मोतीलाल पंथी, एएसआई ईश्वर लाल टोप्पो एवं पटवारी, सचिव, जीआरएस भी उपस्थित रहे।

बायपास पर पलटी भूसे से भरी ट्रॉली, हादसा टला

मौत का जहाज बनकर दौड़ रहे भूसे से भरे वाहन

गुना, देशबन्धु। जिले की मुख्य सड़कों पर भारी-भरकम बोझ के साथ दौड़ रहे भूसे से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली दुर्घटनाओं का सबब बन रहे हैं। नेशनल हाइवे से लेकर स्टेट हाइवे तक प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में ऐसे ट्रेक्टर-ट्रॉली देखे जा सकती हैं, जो अपने साथ इतना बोझा ले जा रहे हैं कि यदि ट्रॉली पलट जाए तो जान और माल दोनों का खतरा हो सकता है। रविवार को बायपास पर ऐसी ही एक ट्रॉली अचानक पलट गई। हादसा शांति ढाबा के सामने हुआ है। जिस समय ट्रॉली पलटी तब आसपास से कोई दूसरा वाहन नहीं गुजर रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

इस तरह के नजारे प्रतिदिन जिले में देखे जा रहे हैं। अशोकनगर मार्ग पर भी रोजाना इस तरह के नजारे देखते जा रहे हैं। ऐसे हालातों को रोकने में पुलिस भी विवश नजर आती है। क्योंकि भूसा का उपयोग मवेशियों के लिए या फिर फैक्ट्रियों के लिए किया जाता है। लेकिन इनके परिवहन का तरीका बेहद आपत्तिजनक है और खतरनाक भी। बीते ही दिन जिले के गुना-फतेहगढ़ स्टेट हाइवे पर एक ऐसा हादसे सामने आया, जिसकी चपेट में आने से कई लोग बाल-बाल बच गए। इस तरह के मामले स्टेट हाइवे पर प्रतिदिन की बात हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि इस क्षेत्र में खेती अधिक होने की वजह से ईंट-भट्टे और फैक्ट्रियों के संचालक भूसा खरीदने आते हैं।

लेकिन इसके परिवहन का जो तरीका अख्तियार किया जाता है, वह काफी खतरनाक है। ऐसे में दूसरे वाहन चालकों की जान खतरे में भी आ जाती है। इसी तरह पगारा फैक्ट्री पर भूसा सप्लाई के लिए अशोकनगर मार्ग पर भी प्रतिदिन भारी संख्या में भूसे की ट्रॉलियां हिचकोलते मारते हुए इस रास्ते से गुजरती हैं। जिसे देखकर कोई भी कह सकता है कि इनसे बचके ही निकलिए, अन्यथा आप अपनी हालत के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

सार समाचार

निर्माण के दौरान विवाद, एजेंसी ने थाने में की शिकायत

गुना। मृगवास थाना क्षेत्र के ग्राम मदागन माफी में जारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य रोककर साइट इंचार्ज से मारपीट और मोबाइल छीनने का मामला सामने आया है। इस मामले की लिखित शिकायत निर्माण एजेंसी के अधिकारी ने मृगवास थाने में की है। जानकारी के मुताबिक शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य भवन मदागन माफी का निर्माण कार्य इन दिनों जारी है। इसी दौरान 15 मई को गांव में ही रहने वाले गजानंद, रामविलास, सीताराम लोधा और परिवार की महिलाएं स्वास्थ्य केंद्र की जमीन पर अपने कृषि उपकरण रखने के लिए पहुंच गए। मौके पर मौजूद साईट इंचार्ज विक्रम ने शासकीय जमीन बताकर आरोपियों को रोका तो वे मारपीट पर उतारू हो गए। इसके बाद मामले ने इतना तूल पकड़ा कि आरोपियों ने साईट इंचार्ज पर दादागिरी दिखाते हुए उनका हाथ मरोड़ दिया और मोबाइल छीन लिया। यह पूरी घटना निर्माणाधीन भवन पर पहले से लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। जिसकी फुटेज निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि पृथ्वीराज मीना ने मृगवास थाने में शिकायत के साथ पुलिस को सौंपी है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

नोनेरा में सहरिया समाज के 22 जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाह

गुना। गुना। बमौरी तहसील के ग्राम नोनेरा में 17 मई को सहरिया सामूहिक विवाह सम्मेलन धूमधाम से संपन्न हुआ, जिसमें बमोरी तहसील के 22 नवयुवक और युवतियों ने विवाह बंधन में बंधकर सामाजिक एकता का परिचय दिया।
विवाह सम्मेलन की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई, जिसमें 51 कलश शामिल थे। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सूरज भारत सिंह और कन्हैयालाल ने सामूहिक विवाह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त दहेज प्रथा और अन्य कुरीतियों को समाप्त करना है।

प्रभारी सीएमएचओ ने लिया जायजा, दिए निर्देश

आयुष्मान कार्ड अभियान तेज शेष कार्ड शीघ्र बनाने के निर्देश

गुना, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.आर. माथुर ने शनिवार को आयुष्मान योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे आयुष्मान कार्ड के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने सकतपुर, पुरा पोसर और हरिपुर का दौरा कर आयुष्मान कार्ड बना रही टीमों के काम की समीक्षा की और शेष कार्डों को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। डॉ. माथुर ने टीमों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे हर हाल में निर्धारित लक्ष्य को पूरा करें, ताकि आम जनता को आवश्यकता पडने् पर मुफ्त इलाज की सुविधा मिल सके। सबसे पहले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सकतपुर पहुंचे, जहाँ रामवती शर्मा आयुष्मान कार्ड बना रही थीं। इसके बाद उन्होंने पुरा पोसर का दौरा किया, जहाँ सीएचओ विधि राठौर और आशा कार्यकर्ता रीनू रामदेव से आयुष्मान कार्ड अभियान की प्रगति के बारे में जानकारी ली और उन्हें शत-प्रतिशत कार्ड बनाने के लिए निर्देशित किया। अंत में, डॉ. माथुर हरिपुर पहुंचे, जहाँ उनकी मुलाकात सीएचओ शिव यादव से हुई, जिन्होंने हरिपुर गांव में चल रहे आयुष्मान कार्ड अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

निर्माण के दौरान विवाद एजेंसी ने थाने में की शिकायत

गुना, देशबन्धु। मृगवास थाना क्षेत्र के ग्राम मदागन माफी में जारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य रोककर साइट इंचार्ज से मारपीट और मोबाइल छीनने का मामला सामने आया है। इस मामले की लिखित शिकायत निर्माण एजेंसी के अधिकारी ने मृगवास थाने में की है। जानकारी के मुताबिक शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य भवन मदागन माफी का निर्माण कार्य इन दिनों जारी है। इसी दौरान 15 मई को गांव में ही रहने वाले गजानंद, रामविलास, सीताराम लोधा और परिवार की महिलाएं स्वास्थ्य केंद्र की जमीन पर अपने कृषि उपकरण रखने के लिए पहुंच गए। मौके पर मौजूद साईट इंचार्ज विक्रम ने शासकीय जमीन बताकर आरोपियों को रोका तो वे मारपीट पर उतारू हो गए। इसके बाद मामले ने इतना तूल पकड़ा कि आरोपियों ने साईट इंचार्ज पर दादागिरी दिखाते हुए उनका हाथ मरोड़ दिया और मोबाइल छीन लिया। यह पूरी घटना निर्माणाधीन भवन पर पहले से लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। जिसकी फुटेज निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि पृथ्वीराज मीना ने मृगवास थाने में शिकायत के साथ पुलिस को सौंपी है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

समाजसेवी की पहल, जिला प्रशासन का मिला सहयोग

मानसिक रूप से अस्वस्थ 2 लोगों को मिला सहारा

गुना, देशबन्धु। वरदान सेवा समिति सयोजक समाजसेवी प्रमोद भार्गव की सतत मानवीय पहल के अंतर्गत आज दो मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों को अपना घर आश्रम शिवपुरी में सुरक्षित स्थान मिला। दोनों व्यक्तियों की सूचना बीनागंज क्षेत्र से प्राप्त हुई थी, जिनमें एक व्यक्ति बोलने में असमर्थ है, वहीं दूसरे एक बुजुर्ग ने खुद को मद्रास चेन्नई निवासी बताया और अपने परिवार के पास लौटने की इच्छा जताई है। समाजसेवी प्रमोद भार्गव पिछले तीन वर्षों से इस मानवीय अभियान को निरंतर चला रहे हैं। उनका उद्देश्य सड़कों पर बेसहारा घूम रहे मानसिक रोगियों को सुरक्षित छत, इलाज और सम्मानपूर्ण जीवन देना है। इस बार की पहल में जिला प्रशासन का भी सहयोग मिला, जिससे राहत कार्य में गति आई है। प्रमोद भार्गव का कहना है कि समाज में आज भी मानसिक रोगियों को लेकर भय और भ्रांतियां बनी हुई हैं, जिसके चलते लोग उन्हें अपने आसपास नहीं रखना चाहते। उन्होंने इसे एक कुप्रथा बताया और कहा कि वे इसे खत्म कर समाज में सकारात्मक सोच लाने के लिए अपना अभियान और अधिक व्यापक रूप से आगे बढ़ाएंगे। यह पहल न सिर्फ मानवता की मिसाल है बल्कि समाज

विद्यालय एवं विकास खंड स्तर पर प्राथमिकता से आयोजित किए जाएंगे कार्यक्रम

जूनियर रेडक्रॉस उप समिति की बैठक में हुई कई विषयों पर चर्चा

गुना, देशबन्धु। जिला जूनियर रेडक्रॉस उप समिति की महत्वपूर्ण बैठक जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन अध्यक्ष चंद्रशेखर सिसोदिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उपाध्यक्ष मधुबाला सक्सेना और राजेश गोयल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती और रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यूनोट के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर वर्ष 2024-25 के वास्तविक कार्यक्रमों, वर्ष 2025-26 के प्रस्तावित कार्यक्रमों और वार्षिक बजट पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही, नए सदस्यों के मनोनयन, प्रशिक्षण केंद्र और कार्यालय की मरम्मत के प्रस्ताव भी रखे गए। वार्षिक कार्यक्रमों में नशा मुक्ति संस्कार शिविर, सिविल सुरक्षा, सीपीआर और आपदा बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यालय एवं विकास खंड स्तर पर प्राथमिकता से कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी सौरभ भार्गव एवं सीमा भार्गव ने अपने पिता स्वर्गीय जगदीश भार्गव की पुण्य स्मृति में स्काउट गाइड एवं जूनियर रेडक्रॉस को एक वाटर कूलर भेंट किया। जिला शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर सिसोदिया, राजेश गोयल एवं मधुबाला सक्सेना ने संयुक्त रूप से वाटर कूलर का पूजन एवं विधिवत शुभारंभ किया। बैठक का संचालन जिला संगठक प्रताप नारायण मिश्र ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जितेंद्र ब्रह्मभट्ट (यूथ रेडक्रॉस) द्वारा किया गया। पालन प्रतिवेदन लक्ष्मी नारायण साहू (काउंसलर जेआरसी) ने प्रस्तुत किया। बैठक में संजय मोघे, भारती दुबे, परमल चोपड़ा, शारदा धाकड़, विष्णु यादव, अलीशा खान, सौरभ बैरागी, समाजसेवी दिलीप सक्सेना, पंचायत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उच्च शिक्षा विभाग एवं स्कूली शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस लाईन में शुरू हुआ ब्राइटल माईंड कोस

गुना, देशबन्धु। बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास हेतु गुना पुलिस लाईन स्थित दिशा लर्निंग सेंटर पर ब्राइटल माईण्ड कोर्स संचालित किया जा रहा है। दरअसल पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशों पर एसपी अंकित सोनी के दिशा निर्देशन एवं एएसपी मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन तथा रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध्याय के नेतृत्व में रक्षित कार्यालय गुना में संचालित दिशा लर्निंग सेंटर पर हार्टफुलनेस संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से पुलिस परिवार के 5 से 15 साल के बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए 4 मई 25 से ब्राइटल माईंड कोर्स का संचालन किया जा रहा है।

हादसों से भरा रविवार

बड़े तालाब में पत्नी के सामने डूब गया कारोबारी

नहाने गया था, गहरे पानी में जाने से गई जान

भोपाल, देशबन्धु। बड़े तालाब में शीतलदास की बगिया स्थित घाट में डूबने से कारोबारी की मौत हो गई। हादसा रविवार की सुबह साढ़े नौ बजे का है। गोताखोरों की मदद से शव को करीब 11 बजे तलाशा जा सका।

श्यामला हिल्स पुलिस के मुताबिक राजेश जैन उम्र 51 वर्ष निवासी ग्रीन पार्क कॉलोनी डीआईजी बंगला वाहनों के उपकरण बेचने का काम करते थे। उनकी दुकान बैरसिया रोड पर थी। इसी के साथ वे एक सर्विस स्टेशन का भी संचालन करते थे। राजेश इन दिनों ईदगाह हिल्स के एक तरण पुष्कर में तैराकी सीखने जा रहे थे। हालांकि उन्हें तैरना नहीं आया था। रविवार सुबह वे पत्नी को साथ लेकर शीतलदास की बगिया गए। यहां से वह बड़े तालाब में तैरने के लिए उतर गए। लेकिन तैरते समय गहरे पानी में जाने के बाद पत्नी को दिखना बंद हो गए। तत्काल पत्नी ने शोर मचाकर मदद मांगी। न्यू मार्केट में रहने वाले अपने.. जेठ को फोन कर जानकारी दी। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने के बाद गोताखोरों ने शव की तलाश शुरू की। करीब 11 बजे शव को बरामद कर लिया गया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया गया। दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। साथ ही मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जयपुर में पढ़ रहा है बेटा

बताया गया है कि राजेश के दो बच्चे एक बेटा और एक बेटी है। बेटी की स्नातक की पढ़ाई हो चुकी और वह भोपाल में ही रहती है। वहीं बेटा जयपुर में हकर पढ़ाई कर रहा है। मौत की सूचना के बाद वह जयपुर से भोपाल के लिए रवाना हो गया है।

भोपाल के 2 युवक हलाली बांध में डूबे

भोपाल,देशबन्धु। विदिशा के हलाली बांध में रविवार को भोपाल के दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। बताया गया है कि यह दोनों छुट्टी का दिन बिताने हलाली वहां गए थे। बर्तन साफ करते वक्त वे बांध के किनारे से फिसलकर गहरे पानी में चले गए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक फिरोज उम्र 23 वर्ष और शहजाद उम्र 33 वर्ष हलाली बांध के नहर वाले हिस्से में पिकनिक मनाने पहुंचे थे। यहां दोस्तों के साथ खाना खाया और इसके बाद जब शहजाद नहर के किनारे पर खड़े होकर बर्तन धो रहा था, तभी पैर फिसल गया और बहकर गहरे पानी में चले गया। शहजाद को डूबता देखकर फिरोज ने भी नहर में छलांग लगा दी। लेकिन वह भी डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों के शव पानी से निकाले गए। इसके बाद करारिया थाना पुलिस शवों को विदिशा जिला चिकित्सालय ले गई। वहां पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। बताया गया है कि शहजाद फर्नीचर की दुकान पर काम करता था, जबकि फिरोज रेत मशीन की दुकान पर काम करता था।

आईटीआई का छात्र कैरवा बांध में डूबा

भोपाल, देशबन्धु। उधर केरवा बांध में भी एक आईटीआई के छात्र की डूबने से मौत हो गई। बताया गया है कि वह यहां दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने आया था। उसे तैरना नहीं आता था, फिर भी नहाने के लिए गहरे पानी में छलांग लगा दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अयोध्या नगर निवासी 18 वर्षीय अमन विश्वकार्म आईटीआई का छात्र था। वह शनिवार शाम अपने कुछ दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने कैरवा बांध गया था। यहां पिकनिक मनाने के दौरान अमन ने नहाने की इच्छा जताई तो अन्य दोस्तों ने उसे ऐसा करने से मना किया। लेकिन वहं नहीं माना और उसने नहाने के लिए पानी में छलांग लगा दी। बताया गया है कि अमने ने जहां छलांग लगाई थी, वहां गहराई ज्यादा थी और उसे तैरना भी नहीं आता था। लिहाजा वह डूब गया। यह देख दोस्तों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को सूचना दी। इसके बाद छात्र की तलाश शुरु की गई। कुछ देर बाद ही उसका शव मिल गया। इस बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया और रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया गया। साथ ही मर्ग दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। बताया गया है कि अमन के पिता मंडीदीप स्थित किसी फैक्ट्री में काम करते है।

चलती ट्रेन में चढ़ते समय पैर फिसला, प्लेटफॉर्म और कोच के बीच फंसा सफाई कर्मी

गर्दन में आई गंभीर चोट

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल रेलवे स्टेशन पर ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग स्टाफ के 35 वर्षीय कर्मचारी सुगंधी लाल ट्रेन की सफाई के लिए चलते एसी कोच में चढ़ने का प्रयास कर रहे थे। अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण वे कोच और प्लेटफॉर्म के बीच की खाई में गिर पड़े। जिससे उनके सिर, कमर और पैरों पर गंभीर चोटें आईं और वे अचेत हो गए। यह घटना रात प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर हुई। जब चंडीगढ़-यशवंतपुर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन स्टेशन में प्रवेश कर रही थी। घटना को ड्यूटी पर तैनात मुख्य टिकट निरीक्षक राघवदास ने तुरंत देखा और बिना समय गंवाए उप स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) आनंद कृष्ण मिश्रा को सूचित किया। तुरंत आपात चिकित्सा कक्ष से डॉ. नूर हसन को बुलवाया और रेलवे अस्पताल को एम्बुलेंस भेजने के निर्देश दिए। मौके पर पहुंचे और सफाईकर्मियों के सहयोग से घायल कर्मचारी को सुरक्षित बाहर निकालने का काम किया। साथ ही, परिचालन विभाग और नियंत्रण कक्ष को सूचना देकर ट्रेन को तत्काल रोका गया, ताकि किसी प्रकार की अन्य दुर्घटना न हो। डॉ. हसन ने मौके पर प्राथमिक उपचार प्रदान किया और घायल को 10 मिनट के भीतर स्ट्रेचर के माध्यम से रेलवे अस्पताल भिजवाया गया। भोपाल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा कि, रेलवे कर्मचारियों ने समय रहते सजगता, संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया। इस कठिन समय में टीम वर्क और मानवीयता की भावना का जो उदाहरण हमारे कर्मचारियों ने प्रस्तुत किया, वह प्रशंसनीय है।

शराब दुकान का दूसरा द्वार खुलने पर विरोध

रहवासियों ने कहा- लाइसेंस में एक ही मंजूरी

भोपाल,देशबन्धु। बागसेवनिया इलाके में स्थित शराब की दुकान के द्वार को लेकर रविवार दोपहर जमकर हंगामा हुआ। फॉरच्यून डिलाइट सोसाइटी के बाहर बड़ी संख्या में रहवासी इकट्ठा हुए और शराब दुकान के दूसरे द्वार के खिलाफ प्रदर्शन किया। रहवासियों का आरोप है कि शराब ठेके का एक द्वार पहले से मुख्य मार्ग की ओर था, लेकिन अब ठेकेदार ने इसका दूसरा दरवाजा भी सड़क की दूसरी दिशा में खोल दिया है। इससे मोहल्ले के लोग खासतौर पर महिलाएं और बच्चे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

सोसाइटी की अध्यक्ष विभा श्रीवास्तव ने बताया कि शराब दुकान के लिए जो लाइसेंस मिला है, वह पहले द्वार के लिए ही जारी हुआ था। दूसरा द्वार खोलना पूरी तरह से अवैध है। जिस तरफ दूसरी द्वार खोला गया है। वहां पास ही में बाजार भी है। लोग अक्सर बाजार जाते रहते हैं। ऐसे में यह सुरक्षित नहीं है। वहीं लाइट नहीं होने से हादसे का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय निवासी ब्रजेश ने कहा कि जिस दिशा में दूसरा द्वार खोला गया है, वहां स्ट्रीट लाइट तक नहीं है। इसके अलावा गली में कई गुमटियां लग गई हैं, जिससे यहां भीड़भाड़ बनी रहती है। ऐसे में महिलाओं और बच्चों का निकलना मुश्किल हो गया है।

रहवासियों ने मांग की है कि शराब दुकान को उसी ओर रखा जाए, जिस दिशा में यह पहले थी और दूसरा दरवाजा हमेशा के लिए बंद किया जाए।फिलहाल रहवासियों के दबाव के बाद दुकान का दूसरा दरवाजा बंद कर दिया गया है, लेकिन लोगों को आशंका है कि इसे फिर से खोला जा सकता है। लिहाज उनका कहना है कि यदि ठेकेदार ने दोबारा उक्त दरवाजा खोला, तो वे आगे की कार्रवाई करेंगे।

जेल जाने का आदेश सुनते ही शराब तस्कर अदालत परिसर से फरार

भोपाल,देशबन्धु। बैरसिया अदालत द्वारा जेल भेजे जाने का आदेश सुनते ही एक शराब तस्कर अदालत परिसर से फरार हो गया। आरोपी पर साल 2021 में अवैध शराब तस्करी के मामले में आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पारदी टपरा, विदिशा रोड बैरसिया निवासी शैलेन्द्र राजपूत उर्फ राजा राजपूत उम 25 वर्ष के खिलाफ बैरसिया थाने में तीन साल पहले प्रकरण दर्ज किया गया था। इसमें आरोपी लंबे समय से अदालत में पेश नहीं हो रहा था, जिसके चलते न्यायालय ने उसके खिलाफ वारंट जारी कर रखा था। शनिवार को शैलेन्द्र राजपूत खुद ही अदालत में पेश हुआ। अदालत ने तत्काल प्रभाव से जेल वारंट जारी कर उसे केंद्रीय जेल भोपाल भेजने का आदेश दे दिया। लेकिन जैसे ही आदेश की भनक आरोपी को लगी, वह मौका देखते ही चुपचाप अदालत परिसर से फरार हो गया। बैरसिया थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि मामले की शिकायत रीडर कपिल दुबे की ओर से दर्ज कराई गई है। आरोपी के खिलाफ अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 262 के तहत प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

8 हजार पेड़ों को बचाने आगे आए लोग

रक्षा सूत्र बांधे, बच्चे पेड़ों से चिपके

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल के आसाराम तिराहे से रत्नागिरी तिराहे तक अयोध्या बायपास के रोड चौड़ीकरण में 8 हजार पेड़ों को काटा जाएगा। इन्हीं पेड़ों को बचाने के लिए विरोध प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार शाम को बड़ी संख्या में लोग यहां जुटे। इन्होंने पेड़ों को रक्षासूत्र बांधें। वहीं कई बच्चे तो पेड़ों से ही चिपक गए।

पेड़ों को बचाने के प्रदर्शन में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल थे। वह हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लिए हुए थे। उनका कहना है कि पेड़ बचेंगे तो हम बचेंगे। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत काटे गए पेड़ों को लेकर भी उन्होंने नाराजगी जाहिर की। पर्यावरणविद् उमाशंकर तिवारी ने बताया, विकास जरूरी है, पर हरियाली के साथ ऐसा नहीं होने देंगे। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को प्रोजेक्ट में बदलाव करना चाहिए। ताकि, प्रोजेक्ट भी पूरा हो और पेड़ भी न काटे जा सकें। डॉ. राजीव जैन ने बताया कि हमें भी विकास चाहिए, लेकिन विनाश की शर्त पर नहीं चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक पेड़ मां के नाम और खुद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस मुहिम को चला रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी स्मार्ट सिटी पार्क में रोज एक पेड़ लगाते रहे हैं। ऐसे में हम पेड़ों की कटाई नहीं होने देंगे।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी लोग प्रदर्शन कर चुके हैं। बड़ी संख्या में लोगों ने रत्नागिरी तिराहे पर पहुंचकर पेड़ों को रक्षासूत्र बांधे थे। साथ ही उन्हें बचाने का संकल्प लिया था। इस आयोजन की अगुआई श्रमिक नेता दीपक गुप्ता ने की थी। उन्होंने कहा- यह सिर्फ पेड़ों की लड़ाई नहीं है, बल्कि हमारे अस्तित्व की लड़ाई है। हम इन पेड़ों को कटने नहीं देंगे। गुप्ता ने खुद पेड़ों को रक्षासूत्र बांधते हुए आंदोलन की शुरुआत की थी।

मौलाना गिरोह का एक और गुर्गा गिरफ्तार

भोपाल,देशबन्धु। टीला जमालपुरा पुलिस ने जुबेर मौलाना गिरोह के गुर्गे शरीफ बच्चा को गिरफ्तार कर किया है। आरोपी शरीफ ने जहां गोलियां चलाईं थी, रविवार को उसका वहीं जुलूस निकाला गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार,रविवार को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि इस्लामी गेट के पास बैरसिया बस स्टैण्ड पर जुबेर मौलाना का गुर्गा शरीफ उर्फ बच्चा भोपाल से भागने की फिराक में खड़ा है। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी शरीफ को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी शरीफ ने इंद्रा नगर में रहने वाले बदमाश साद के साले फैसल पर 6 मई को गोली चलाई थी। इसके बाद से ही फरार चल रहा था। उल्लेखनीय है कि 6 मई को जुबेर मौलाना ने अपने 10-12 साथियों के साथ साद निवासी मंगलवारा के घर पहुंच कर साद समझ कर सैफ के ऊपर जान से मारने की नीयत से अवैध हथियार से गोलियां चलाईं। इसके बाद साद के साले फैसल जो कि इंद्रानगर थाना टीला जमालपुरा मे रहता है, उसके घर पर जुबेर मौलाना व उसके लगभग 10-12 साथियों ने आकर अवैध हथियार से हवा में गोलियां चलाई और फरार हो गए थे। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी। इन घटनाओं में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। 12 मई को पुलिस ने आरोपी जुबेर मौलाना सहित मामले के अन्य तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था और अब शरीफ को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

बच्चों ने वैज्ञानिक नजरिये से देखा- समझा मानव सभ्यता का इतिहास

भोपाल,देशबन्धु। विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर आज प्लस माइनस इज़ ईक्वल टू ग्रुप, सरोकार के नन्हें बच्चों को आंचलिक विज्ञान केंद्र, में एक्सपोजर विजिट पर आमंत्रित किया गया। इस अवसर मानव संग्रहालय के निदेशक अमिताभ पांडे ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने पुरातत्व प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों को समझाया कि हजारों, लाखों साल पुरानी मानव सभ्यता कैसी थी, और किस तरह से विकसित होती गई। उन्होंने मानव और प्रकृति के इतिहास को जानने और तर्कों के आधार हर चीज को समझने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर आर्कियोलॉजिस्ट, अनुमंडल प्रमुख श्री मनोज , विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ कार्यक्रम संयोजक अधिकारी श्री साकेत उपस्थित थे और सभी ने हमारे नन्हे साथियों से संवाद किया, संग्रहालय के महत्व को समझाया और प्रदर्शनी के चित्रों से जुड़ी जानकारियां भी दीं । हमारे साथियों ने सवाल दर सवाल दर सवाल पूछकर बता दिया कि बच्चों को सीखने का अवसर मिले तो वे अधिक से अधिक जानना चाहते हैं ।

प्रदर्शनी देखने के बाद बच्चों के लिए एक नया शो रखा गया था जहाँ उन्हे विभिन्न खेलों के माध्यम से तरल नाइट्रोजन के गुण बताए गए। साथ ही श्री एन के साहू जी ने बच्चों को कुछ खिलौने बनाना सिखाए और उसके पीछे का विज्ञान समझाया। विज्ञान केंद्र की टीम ने बच्चों को साइंस सेंटर के विभिन्न खेल , गतिविधि को उसके विज्ञान सहित दिखाया । इस अवसर पर सरोकार समूह की ओर से संस्था की सचिव कुमुद सिंह, शहनाज अली, शाहीन आदि उपस्थित थे।

पेड़ काटा तो बच्चों के साथ थाने पहुंच गए लोग

अज्ञात आरोपी पर प्रकरण दर्ज करने की मांग

भोपाल,देशबन्धु। बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी में करीब 20 फीट ऊंचे और 4 साल पुराने पेड़ को अज्ञात व्यक्ति ने काट दिया। इस पर नाराज रहवासियों ने बच्चों के साथ थाने पहुंचकर आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की मांग की। कहा कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पेड़ काटने वाले को पकड़ा जाए। लोगों ने हमीरपुर में पेड़ को टक्कर मारने पर ट्रक चालक के विरुद्ध प्रकरण होने के मामले का भी हवाला दिया।

बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी विकास समिति के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी ने बताया, कॉलोनी के एचआईजी 257 के सामने एवं नवनिर्मित स्कूल की चारदीवारी के बगल में 12 जून 2021 को एक पीपल का पेड़ लगाया गया था, जो अब 20 फीट तक बड़ा हो गया था। इस पेड़ को दो दिन पहले जड़ से काट दिया गया है। जिससे गहरा आघात लगा है। यह पेड़ की हत्या प्रतीत होता है। उच्चतम न्यायालय ने भी पेड़ों की कटाई मानव हत्या से बड़ा अपराध बताया है।

श्री तिवारी ने बताया कि हमीरपुर में भी पेड़ को टक्कर मारने पर ट्रक के ऊपर मामला दर्ज किया गया जा चुका है। उक्त प्रकरण में भी अज्ञात आरोपी पर हत्या का प्रकरण दर्ज हो और फिर उसे ढूंढा जाए। जांच कर इस प्रकार की कार्रवाई की जाए, जैसे किसी व्यक्ति की हत्या के बाद की जाती है, क्योंकि आने वाले समय में हमें जिंदा रहने के लिए पेड़ों को बचाना बहुत जरूरी है। श्री तिवारी के अनुसार, फिलहाल भोपाल के कटारा थाने पहुंचकर हत्या का मामला दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। यदि प्रकरण दर्ज नहीं होता है तो मंगलवार को पुलिस आयुक्त और कलेक्टर के पास भी पहुंचेंगे और मांग करेंगे।

टीबी के इलाज में सही और पूरी मात्रा में दवा खाना जरूरी

बकानिया में चलाया दवाओं के दुष्प्रभावों पर निगरानी अभियान

भोपाल,देशबन्धु। सिर्फ दवा खाने से बीमारी ठीक नहीं होती, उसे सही तरीके से, समय पर और पूरी मात्रा में दवा लेना बेहद जरूरी है। यह बात एम्स भोपाल के विशेषज्ञों ने शहर के बकानिया स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में फार्माकोविजिलेंस (दवाओं के दुष्प्रभावों की निगरानी) अभियान के दौरान कही। इस दौरान मौजूद लोगों को टीबी के इलाज और उसके महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया।

एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह के मुताबिक यह कार्यक्रम खासकर स्थानीय महिलाओं के लिए आयोजित किया गया था, जिसे फार्माकोलॉजी विभाग और सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने मिलकर संचालित किया। विशेषज्ञों ने बताया कि दवाओं के दुष्प्रभावों को समय पर रिपोर्ट करना और टीबी मरीजों पर डायरेक्टली ऑब्जर्व्ड ट्रीटमेंट (डीओटी) थेरेपी के असर का रिकॉर्ड रखना जरूरी है। डॉ. रोमा रस्तोगी ने कहा कि टीबी की तरह ही सर्वाइकल और स्तन कैंसर की भी समय पर जांच और इलाज आवश्यक है। वहीं, डॉ. मोनालिसा दत्ता ने बताया कि दवाओं के प्रतिकुल प्रभाव को नजरअंदाज करने से बड़ी जटिलताएं हो सकती हैं

डीओटी थेरेपी क्यों है जरूरी ?

कार्यक्रम में बताया गया कि अगर टीबी मरीज बीच में दवा लेना छोड़ देता है, तो उसका इलाज अधूरा रह जाता है और दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता (ड्रग रेजिस्टेंस) विकसित हो सकती है। इससे इलाज कठिन हो जाता है और संक्रमण दूसरों तक भी फैल सकता है।

पंचायतों का निरीक्षण करने पहुंची सीईओ

भोपाल,देशबन्धु। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने फंदा जनपद ब्लॉक की ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। सीईओ श्रीमती तिवारी निरीक्षण करने सर्वप्रथम ग्राम पंचायत, खौरी पहुंची जहां उन्होंने मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के कार्यो का जायजा लिया। योजनांतर्गत निर्मित होने वाले हाट बाजार, सामुदायिक भवन एवं सामुदायिक शेड निर्माण कार्यो को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। इसके बाद ग्राम पंचायत, बकानिया पहुंचकर जल गंगा संवर्धन के कार्यो का निरीक्षण किया। यहां अभियान अंतर्गत लिए गए खेत तालाब एवं डगवेल रिचार्ज के कार्यो को देखा। सीईओ ने सभी को निर्देशित किया कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन के महत्वपूर्ण अभियानों में शामिल है, निर्धारित समय अवधि में सभी कार्यो को संपादित किया जाए। तत्पश्चात ग्राम पंचायत, तूमडा, पाटनिया एवं झिरनिया पंचायत में गौ-शाला संचालन एवं स्वच्छ भारत मिशन के एफ.एस.टी.पी. प्लांट तथा सामुदायिक शेड निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी शंकर पांसे सहित सहायक यंत्री, उपयंत्री, सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम त्रुटिवष साहिल यादव (Sahil Yadav) अंकित हो गया है जबकि मेरे पुत्र का सही नाम श्रीवंश (Shrivansh Yadav) है । मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम श्रीवंश (Shrivansh Yadav) अंकित है । मेरे पुत्र को श्रीवंश (Shrivansh Yadav) नाम से जाना व पहचाना जाता है ।

प्रार्थी
संजीव यादव
मेडिकल कॉलेज रोड, पोंगरी
जिला- शहडोल पिन-484001

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में उसका नाम त्रुटिवष अमायरा पटेल (AMAYRA PATEL) अंकित हो गया है जबकि मेरी पुत्री का सही नाम सारा पटेल (SARAH PATEL) है । मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम सारा पटेल (SARAH PATEL) अंकित है । मेरी पुत्री को सारा पटेल (SARAH PATEL) नाम से जाना व पहचाना जाता है ।

प्रार्थी
प्रदीप कुमार पटेल
114, वार्ड नं. 12, ट्राइबल हॉस्टल, रामानुज नगर
तहसील सोहागपुर जिला- शहडोल म.प्र. पिन-484001

देशबन्धु

भोपाल, सोमवार 19 मई 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे हालात

ऑपरेशन सिंदूर सेना के पराक्रम की एक और बड़ी मिसाल और देश की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन के बाद अमेरिका, इंग्लैंड, तुर्किए, कतर, अजरबैजान, चीन इन तमाम देशों का जो रुख रहा, वह भारत के लिए, सुखद नहीं है, लेकिन कम से कम अब हमें यह पता चल गया है कि जिन्हें हम अपना दोस्त या शुभचिंतक देश मानते थे, वे असल में पाकिस्तान के करीबी निकले। भविष्य में विदेश नीति के तहत फैसले लेने में इस सबक को याद रखा जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान का आतंकवाद समर्थित चेहरा भी सामने आया और यह भी पता चल गया कि कश्मीर मसले को अंतरराष्ट्रीयकरण करवाने के लिए वह किस तरह मौके तलाशता है। इधर घरेलू मोर्चे पर भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुछ कड़वी हकीकतें सामने आई हैं, जिन्हें अब नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इनका सामना कर अपनी गलती समझना चाहिए।

देश में सत्तारुढ़ भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए कई जगहों पर पोस्टर लगवाए, 13 मई से भाजपा देशव्यापी तिरंगा यात्रा भी निकाल रही है, जिसमें सेना के पराक्रम के साथ-साथ नरेन्द्र मोदी की शौर्यगाथा भी सुनाई दे रही है। इधर विपक्ष संसद के विशेष सत्र की मांग बुलाता रह गया, लेकिन मोदी सरकार ने उसका जवाब नहीं दिया और अब सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं, जिनमें सभी दलों के नेता शामिल हैं। ये प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर बताएंगे कि चरमपंथ पर भारत का क्या रुख है और ऑपरेशन सिंदूर क्यों सही था। संक्षेप में मोदी सरकार का पक्ष रखने सभी दलों के लोग जाएंगे, विपक्ष के भी। पिछले कार्यकाल तक नरेन्द्र मोदी विपक्षमुक्त भारत की बात कहते थे, सरकार से सवाल पूछने पर सौ से ज्यादा विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन दुनिया को बताना है कि भारत में कितना मजबूत लोकतंत्र है, तो अब विपक्ष के सांसदों को भी दल का हिस्सा बनाया गया है। भाजपा ने इसमें कांग्रेस से शशि थरूर को शामिल कर एक सियासी चाल भी चली है। कांग्रेस से जब प्रतिनिधिमंडल के लिए नाम मांगे गए थे, तो उसने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार के नाम थे, लेकिन इनकी जगह शशि थरूर को भाजपा ने रखा। अभी 2 मई को केरल में श्री थरूर ने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया था, तब श्री मोदी ने कहा था कि आज बहुतों की नींद हराम होगी। उस वाक्य के आगे कहानी और कितनी बाकी थी, यह अब दिख रहा है। खैर अब यह शशि थरूर के विवेक पर निर्भर है कि वे अपने दल के साथ संकट के वक्त यह खिलवाड़ होने देते हैं या फिर उस शख्स के साथ खड़े होते हैं, जिसने उनकी पत्नी के लिए 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड जैसा अभद्र बयान दिया था। वैसे इस प्रतिनिधिमंडल को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि इतने बरसों में श्री मोदी जनता के पैसों पर कई देशों की यात्रा करते रहे, मोदी-मोदी के नारे लगते रहे, लेकिन जरूरत पड़ी तो अफगानिस्तान के सिवा कोई देश भारत के साथ खुलकर नहीं खड़ा नहीं हुआ। अब उसी जनता के पैसों पर सांसद विदेशों में जाएंगे, लेकिन क्या इससे भारत का पक्ष मजबूत हो पाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना की वाहवाही तो हो रही है, लेकिन इसकी जानकारी देने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह का सामने आना भी चर्चा का एक अलग ही मुद्दा बन गया। देश में अधिकतर लोगों ने इसकी तारीफ ही की और लड़कियों की सेना में बढ़ती धमक पर खुशी जाहिर की। लेकिन मध्यप्रदेश में केबिनेट मंत्री विजय शाह और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के अप्रिय बयानों ने बता दिया कि निम्न स्तर की राजनीति के लिए भी सेना को भी नहीं बख्शा जा रहा है। विजय शाह का मामला तो अदालत में है, लेकिन अब तक भाजपा का रवैया उन्हें बचाने वाला दिख रहा है। वहीं अशोका विश्वविद्यालय में शिक्षक अली खान महमूदाबाद ने अपनी फेसबुक पोस्ट में ऑपरेशन सिंदूर पर महिला अफसरों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के द्वारा मीडिया ब्रीफिंग को अहम बताया था लेकिन यह भी लिखा था कि अगर यह जमीन पर हकीकत में नहीं बदला तो यह 'पाखंड' होगा। इस पोस्ट को हरियाणा के महिला आयोग ने भारतीय सेना में महिलाओं का अपमान माना और यह कहा कि इससे सांप्रदायिक विद्वेष बढ़ेगा। आयोग ने महमूदाबाद को दिए नोटिस में उनकी इस टिप्पणी को सैन्य कार्रवाइयों को बदनाम करने की कोशिश बताया था। अब हरियाणा पुलिस ने महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया है। अब यह सोचने वाली बात है कि एक फेसबुक पोस्ट पर शिक्षक को गिरफ्तार किया गया, लेकिन सरकार में मंत्री पद पर बैठे लोग ऐसी कार्रवाइयों से क्यों बचे हुए हैं।

इधर पाकिस्तान से बढ़ रहे तनाव के बीच एक सनसनीखेज खबर आई कि हरियाणा की एक यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को जासूसी करने और संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि ज्योति पाकिस्तानी उच्चायोग के किसी कर्मी से संपर्क में थी और यह भी कि वह दो साल पहले पाकिस्तान गई थी। इस मामले की गहन और ईमानदार जांच होनी चाहिए, लेकिन सोशल मीडिया पर ज्योति के खिलाफ बयानों की भरमार हो गई है और मीडिया ने भी ज्योति के पुराने पोस्ट, ट्रैवल ब्लॉग आदि दिखाकर अपना ट्रायल शुरु कर दिया है। ऐसा ही रिया चक्रवर्ती के साथ किया गया था। खैर, ज्योति पर जासूसी का आरोप लगा है तो साथ ही उन तथ्यों की भी पड़ताल होनी चाहिए कि आखिर किसके दम पर जासूसी हो रही थी। सेना, विदेश मंत्रालय, गृहमंत्रालय, रक्षा मंत्रालय ऐसे ही महकमों में से कहीं कोई दरार बनी हुई होगी, तभी तो जासूसी का मौका बना। सत्ता प्रतिष्ठान में कौन लोग हैं जो इस किस्म की गद्दारी कर रहे हैं। पांच साल पहले पुलवामा के बाद डीसीपी देविंदर सिंह का नाम भी इसी तरह सामने आया था, फिर क्या कार्रवाई हुई, किस तरह जांच आगे बढ़ी, कुछ पता नहीं। सवाल यह भी है कि पहलगाम हमले के बाद अब जो चौकसी दिखाई जा रही है, क्या वह आगे इसी तरह कायम रहेगी, क्योंकि जासूस केवल आतंकी हमलों के वक्त नहीं बल्कि उसके पहले और बाद में भी सक्रिय रहते हैं।

विदेश जाएं मोदी का जयगान करें थरूर, मगर कांग्रेस छोड़कर!

कांग्रेस मुक्त भारत भी चाहिए और विदेशों में कांग्रेस का ऐसा सांसद भी जो वहां मोदी मोदी कर सके! कभी ऐसा ही कश्मीर में गुलाम नबी आजाद ने किया था। वहां भारत की बात करने के बदले मोदी मोदी का राग अलापा था। नहीं चल पाया। और भाजपा को फिर उनकी कोई और उपयोगिता नहीं दिखी। खतम कर दिया ऐसा कि आज जम्मू-कश्मीर में उनका कोई नाम लेने वाला भी नहीं है।

ऐसे ही इस समय शशि थरूर केरल में उपयोगी दिख रहे हैं जहां अगले साल विधानसभा चुनाव है। जहां असली लोकप्रिय मेट्रो मेन ई श्रीधरन को पिछले चुनाव में बीजेपी एक्सपोज कर चुकी है विधानसभा हरवा कर। इस बार हवा हवाई लोकप्रिय शशि थरूर की असलियत सामने ला दी जाएगी। मगर उससे पहले उनके नाम पर कांग्रेस को विचलित करने की राजनीति शुरू कर दी। कांग्रेस जो पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से सरकार को पूरा सहयोग देती आ रही थी। कोई राजनीतिक सवाल नहीं कर रही थी उसे आरोप प्रत्यारोप की राजनीति में घसीटने के लिए भाजपा ने विदेशों में जाने वाले भारतीय सांसदों के प्रतिनिधि मंडल में अपनी तरफ से शामिल कर लिया। यह वैसा ही है जैसे एनडीए सरकार में नीतीश या चन्द्रबाबू नायडु द्वारा बनवाए गए मंत्रियों को हटाकर बीजेपी अपनी मर्जी से उनकी पार्टी के किसी को बुलाकर शपथ दिलवा दे।

घर में परिवार के मुखिया के नाम निमंत्रण जाता है। अगर एक का है तो वह डिसाइड करता है कि परिवार से कौन जाएगा। ऐसा तो आज तक नहीं सुना कि बुलाने वाला परिवार के किसी एक खास सदस्य को बुला ले। मगर मोदी अपनी इमेज बचाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने अपनी पार्टी में योग्य और प्रभावशाली लोगों को खतम कर दिया। जसवंत सिंह, यशवंत सिन्हा, अरुण शौरी, आडवानी, मुरली मनोहर जोशी और ऐसे ही तमाम राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय मामलों के जानकार लोगों को किनारे कर दिया। जाहिर है कि इस समय जब मोदी को विदेशों में अपनी इमेज बनाने की जरूरत है तब रमेश विधुड़ी, कपिल मिश्रा या निशिकांत दुबे और इन जैसे बहुत सारे लोग जो 11 सालों में बनाए हैं काम नहीं आएंगे।

उन्हें पढ़े-लिखे लोग ही चाहिए जो उन्होंने अपनी पार्टी से खतम कर दिए। प्रधानमंत्री मोदी को शायद अहसास हो गया होगा कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे लोगों का प्रभाव पड़ता है। वे खुद 11 सालों में 72 देश हो आए हैं। कई देशों में कई कई बार। इसे वे खुद भी और गोदी मीडिया भी बड़ी शान से बताते थे कि फलानी जगह पहली बार फलानी जगह इतनी बार। बहुत पहले हर शहर में यह चलता था कि फलाने बाम्बे रिटर्न हैं। और वे बाम्बे अब मुम्बई की फिल्मी दुनिया से असफल वापस लौटने वाले बड़ी शान से वहां के किस्से सुनाते थे।

मगर अभी पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के बाद मोदी के सारे विदेशी दौरों, संबंधों, गले मिलने, माई डियर फ्रेंड ट्रंप कहने की कलई खुल गई। एक देश भी भारत के साथ नहीं आया। क्या विदेश संबंध बनाए इन दौरों ने?

हमारे स्वाभाविक मित्र पड़ोसी राज्य नेपाल और भूटान भी साथ खड़े नहीं हुए। जनता इन सब चीजों को समझ रही है। थोड़ा-थोड़ा बोल भी रही है। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी की इमेज में जबर्दस्त गिरावट आई है और फिर जब हमारी सेनाएं पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखा रही थी तब अचानक किए संघर्षविराम से मोदी की छवि और गिर गई।

अब जो विदेशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजे जा रहे हैं तो उनका मुख्य उद्देश्य मोदी की छवि को वापस चमकाना है। और यह काम अगर कांग्रेस का एक सांसद शशि थरूर करेगा तो मोदी को लगता है कि उसका ज्यादा प्रभाव पड़ेगा।

शकील अख्तर

यह समय है देश का पक्ष विदेशों में सही तौर पर रखने का। पाकिस्तान की असलियत दुनिया को दिखाने का। यह बताने का कि हमें और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं रख सकते जैसा प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने संघर्षविराम की अचानक घोषणा करते हुए किया था और उसके बाद लगातार कर रहे हैं। पाकिस्तान आतंकवाद की मदद कर रहा है। हम उसके शिकार हैं।

यह समय है देश का पक्ष विदेशों में सही तौर पर रखने का। पाकिस्तान की असलियत दुनिया को दिखाने का। यह बताने का कि हमें और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं रख सकते जैसा प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने संघर्षविराम की अचानक घोषणा करते हुए किया था और उसके बाद लगातार कर रहे हैं। पाकिस्तान आतंकवाद की मदद कर रहा है। हम उसके शिकार हैं। पहलगाम में निर्दोष 26 पर्यटक मारे गए। किसी भी हालत में भारत और पाकिस्तान को समान नहीं कहा जा सकता। दुनिया को यह बताने की जरूरत है।

कांग्रेस ने इसीलिए केन्द्र सरकार द्वारा मांगे गए नामों को यह देखते हुए दिया कि कौन भारत के पक्ष को ज्यादा मजबूती के साथ रख सकता है। चार नाम मांगे थे। वह चार नाम दिए आनंद शर्मा जो विदेश राज्य मंत्री रहे। राज्य सभा के उपनेता रहे। अनुभवी। गौरव गगोई अभी लोकसभा में विपक्ष के उपनेता हैं। मुस्लिम किस तरह पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ है यह बताने के लिए सांसद नासिर हुसैन और इसी तरह सिख किस तरह आतंकवाद के खिलाफ है यह बताने के लिए पंजाब से लोकसभा सांसद अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग के नाम दिए।

लेकिन मोदी को वहां अपना नाम चमकाने वाला चाहिए था। अच्छी अंग्रेजी में। नहीं तो वे मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को विदेश भेज देते जो कह रहे हैं कि पूरा देश, पूरी सेना प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक है। मगर उन्हें यही बात थोड़ा इस तरीके से चाहिए कि विदेशों में यह मैसेज जाए कि भारत में एक ही नेता है मोदी और देश में यह आए कि विदेशों में तो मोदी की धूम मची हुई है यहां कौन मोदी के नेतृत्व पर सवाल खड़ा कर रहा है।

थरूर से उन्हें उम्मीदें हैं और थरूर इसे जरूर पूरा करेंगे। वहां वे मोदी के नेतृत्व के कसीदे काढ़ेंगे। थरूर को कभी भी अपने मातृ संस्थान की चिन्ता नहीं। कांग्रेस में जब आम राय से मल्लिकार्जुन खरगे को कांग्रेस उम्मीदवार के लिए खड़ा किया गया था तो शशि थरूर ने खुद को ज्यादा योग्य बताते हुए उनकी उम्मीदवारी को चैलेंज किया था। पूरा चुनाव कैमरों के सामने पूरी पारदर्शिता से हुआ। मगर फिर भी हारने के बाद थरूर ने चुनाव प्रक्रिया पर आरोप लगाए।

उसके बाद भी कांग्रेस ने उन्हें 2024 में तिरुवनन्तपुरम से फिर टिकट दिया। जिताया। मगर उसके बाद भी लगातार वे कांग्रेस के खिलाफ बोलते रहे। कई बार चेतावनियां दीं। मगर उनका मोदी प्रेम (जो वास्तव में सत्ता प्रेम है) कम नहीं हुआ और अब तो वे खुले रूप से कांग्रेस से विद्रोह करके विदेश जाने को तैयार हैं। 2009 से कांग्रेस उन्हें लगातार सांसद बना रही है। मंत्री भी बनाया। कहना तो उन्हें यह चाहिए था कि पार्टी अगर मुझे नामिनेट करेगी तब ही मैं जाऊंगा। मगर वे अपनी पार्टी जिसने उन्हें पहचान दी, उस समय मजबूती से साथ खड़ी रही जब पत्नी सुनंदा पुष्कर की मृत्यु के समय भाजपा उन पर तरह-तरह के आरोप लगा रही थी। मोदी ने 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड कहा। हर समय साथ दिया मगर इस समय जब मोदी अपनी छवि सुधारने के लिए कांग्रेस में असंतोष बताने की कोशिश कर रहे हैं थरुर का उनके साथ जाना बहुत बड़ा विश्वासघात कहलाएगा।

हालांकि इसके लक्षण तो तभी दिख गए थे जब ये यूपीए सरकार में मंत्री थे और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने सभी मंत्रियों से जहाज में बिजनेस क्लास के बदले समान्य क्षेणी में यात्रा करने के लिए बोला था। थरूर ने इसे मानने के बदले सामान्य श्रेणी को कैटल क्लास (जानवरों का बाड़ा) कहा था। आम आदमी जिसकी बात कांग्रेस करती थी उसका सबसे बड़ा मजाक, अपमान।

हमने तो उस समय भी लिखा, बाद में भी लिखते रहे कांग्रेस को अपने अंदर के ऐसे लोगों ने ही ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। मगर अब कांग्रेस बुरी स्थिति में फंस गई है। दल बदल कानून के अन्तर्गत कांग्रेस अगर उन्हें निकालती है तो उनकी संसद सदस्यता बनी रहेगी। और थरूर यही चाहते हैं।

उनमें इतनी नैतिकता नहीं है कि खुद कांग्रेस से त्यागपत्र दें (उसमें उनकी संसद सदस्यता खत्म हो जाएगी) और फिर भाजपा के टिकट से चुनाव लड़ें। लोकसभा या विधानसभा जो चाहें। करना तो उन्हें यह चाहिए। बातें तो बड़ी-बड़ी कर रहे हैं। मिसाल भी रखना चाहिए। इस्तीफा देने का साहस दिखाना चाहिए। कांग्रेस और लोकसभा सदस्यता दोनों से।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

आ रहे हैं घर सभी जद में...

भारतीय समाज में धर्म और जाति की जो महीन और अदृश्य दरारें थीं, बीते कुछ सालों में वे खाई में तब्दील हो चुकी हैं। उन्हें पाटने के उपाय अभी तक सोचे नहीं जा सके हैं और उधर नई दरारें भाषा, खान-पान और प्रांत के नाम पर पैदा करने का काम शुरू हो गया है। दो साल पहले मुंबई के एक उपनगर की बहुमंजिला इमारत में एक मराठी महिला को फ्लैट देने से मना कर दिया था, जिस पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को दखल देना पड़ा। उस इमारत के अधिकांश रहवासी गुजराती हैं और वे नहीं चाहते थे कि कोई गैर गुजराती वहां आये। ऐसा ही मामला हाल में फिर हुआ जब मुंबई के ही एक और उपनगर में एक गुजराती शख्स ने अपने मराठी पड़ोसी के खान-पान को लेकर पूरे महाराष्ट्रीय समुदाय को गंदा कह दिया। इस पर अच्छा-खासा विवाद खड़ा हो गया, जो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ।

मुंबई में मराठी में ही बात करने, दुकानों-कंपनियों के बोर्ड मराठी में ही लगाने पर इस कदर ज़ोर दिया जा रहा है कि हिन्दी या किसी और भाषा में बात करने वालों के साथ बहस और मारपीट तक होने लगी है। पिछले महीने डोम्बिवली इलाके में 'एक्स्क्यूज़ मी' कहने पर दो महिलाओं को पीट दिया गया। अपने आपको मराठियों का सबसे बड़ा हितचिंतक बताने वाली शिवसेना (यूबीटी) ने मांग की कि रेस्तरां और खाने-पीने के ठियों पर पर मेन्यू कार्ड मराठी भाषा में हों तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने बैंकों में सभी डिस्प्ले बोर्ड मराठी में लगवाने और कर्मचारियों से सिर्फ मराठी बोलने के लिए दबाव बनाया और ऐसा न करने पर उन्हें अंजाम भुगतने की धमकियां दीं। एक-दो जगह तो उन पर हमले भी किये गये। इससे परेशान बैंक कर्मचारियों के संगठन ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को चिट्ठी लिखकर सुरक्षा देने की मांग की।

पलाश सुरजन

इस आग में केवल कुछ बैंक कर्मचारी, डिलीवरी ब्वॉय, ऑटो चालक, बस कंडक्टर, वायुसेना के अधिकारी, मछली व्यापारी या प्रवासी मजदूर ही नहीं झुलस रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को भारी आघात पहुंच रहा है। कई सदियों से 'अनेकता में एकता' हमारे देश की विशिष्ट पहचान रही है, उसे बनाये रखने के लिए सुविचारित दृष्टि, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की ज़रूरत होती है।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने पवई इलाके में एक चौकीदार को भी इसलिए मारा क्योंकि उसे मराठी नहीं आती। इसी तरह एक सुपर बाज़ार में एक ग्राहक ने वहां के कर्मचारी से मराठी में बात करने के लिए कहा। कर्मचारी के यह कहने पर कि वह केवल हिन्दी में बात कर सकता है, तो ग्राहक ने मनसे से शिकायत कर दी। इसके बाद मनसे के एक नेता ने अपने समर्थकों के साथ सुपर बाज़ार पहुंचकर कर्मचारी की पिटाई कर दी। मुंबई जैसे बहुभाषी महानगर में मराठी ही बोलने के दुराग्रह का एक और उदाहरण सामने आया है। भांडुप इलाके में एक दंपति ने पिज़्ज़ा का ऑनलाइन ऑर्डर दिया और जब डिलीवरी ब्वॉय उनके पास पहुंचा तो उन्होंने यह कहते हुए भुगतान करने से इनकार कर दिया, कि उसे मराठी बोलना नहीं आता। डिलीवरी ब्वॉय से दंपति ने कहा कि पैसे चाहिये तो मराठी बोलनी पड़ेगी। हमारे यहां ऐसा ही है।

ऐसा नहीं है कि मराठी बनाम अन्य भाषा विवाद केवल मुंबई तक सीमित है। इसी साल फरवरी में बेलगावी में लोगों ने मराठी में बात न करने पर कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के बस कंडक्टर की पिटाई कर दी थी। इस घटना का असर महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच संचालित बस सेवा पर भी हुआ और आम यात्रियों को तकलीफ़ उठानी पड़ी। बेलगावी को लेकर कर्नाटक और महाराष्ट्र का झगड़ा कोई 6 दशक पुराना है और यह घटना जिस जगह हुई, वह महाराष्ट्र का सीमावर्ती इलाका है। इसी बेलगावी जिले के जांबोटी में मराठी न बोलने पर कर्नाटक रक्षणा वेदिके के एक नेता की भी पिटाई की गई। दूसरी तरफ कन्नड़ कट्टरपंथी भी कुछ कम नहीं निकले। बीते महीने उन्होंने बेंगलुरु में कन्नड़ न बोलने के कारण भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी और उनकी पत्नी पर हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया।

बेंगलुरु के ही एक वायरल वीडियो में कोई उत्तर भारतीय शख्स एक ऑटो रिक्शा वाले से यह कहते हुए दिखता है, कि 'अगर आप बेंगलुरु में रहना चाहते हैं तो हिन्दी में बात करें।' इस पर ऑटो चालक ने जवाब दिया कि 'आप बेंगलुरु में हैं, कन्नड़ में बात करें। मैं हिन्दी में बात नहीं करूंगा।' इस विवाद से कन्नड़ भाषियों में आक्रोश भड़का तो उस शख्स ने सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांग ली। इस महीने की शुरुआत में मालदा के 40 प्रवासी मजदूर ओडिशा से काम छोड़कर वापस आ गये। उन्होंने बताया कि संबलपुर के कुछ स्थानीय निवासियों ने उन्हें धमकाया, उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की। मज़दूरों ने आरोप लगाया कि उन पर इसलिए हमला किया गया क्योंकि 'वे बंगाल से थे।' गौरतलब है कि पिछले साल ऐसे ही मामलों को लेकर प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी को फोन कर कड़ा ऐतराज़ जताया था।

प. बंगाल के निवासियों की पीड़ा यह भी है कि दूसरे प्रांतों के लोग वहां आकर उनकी संस्कृति और परंपराओं को नष्ट-भ्रष्ट कर रहे हैं। इस प्रदेश में दुर्गा पूजा ही प्रमुख त्योहार रही है, लेकिन बीते एक दशक से रामनवमी का ज़ोर बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही सांप्रदायिक तनाव और हिंसा की घटनाएं भी बढ़ी हैं। 'द हिन्दू' की एक ख़बर के अनुसार, शिक्षाविदों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने राज्य में 'हिन्दू त्योहारों को हथियार बनाने' पर सवाल उठाये हैं और चिंता जताई है। पश्चिम बंगाल में संघर्ष और सह-अस्तित्व के मुद्दों पर काम करने वाले संगठन-'आमरा एक सचेतन प्रयास' ने 2016 से 2023 की अवधि में प्रदेश में रामनवमी के दौरान पनपे सांप्रदायिक तनाव पर एक रिपोर्ट तैयार की है जिसमें आसनसोल-रानीगंज, हावड़ा और रिशरा में परस्पर टकराव की कई घटनाओं का ज़िक्र किया गया है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि 'तृणमूल कांग्रेस ऐसे जुलूस आयोजित करने या उन्हें सहायता देने और में भाजपा और उसके हिन्दूवादी सहयोगियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है।'

महीने भर पहले दिल्ली के चितरंजन पार्क में कुछ लोगों ने एक मंदिर के बगल में मछली की बिक्री पर यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि इससे उनकी भावनाएं आहत हो रही हैं। इस इलाके में बड़ी संख्या में बांग्लाभाषी लोगों की रिहाइश है, वहां मछली बाज़ार होना अस्वाभाविक तो नहीं हो सकता। दूसरी बात यह कि यह बाज़ार कोई निजी नहीं, बल्कि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा स्थापित किया गया है। फिर वह मंदिर भी उसी बाज़ार के दुकानदारों का बनवाया हुआ है। साल 2023 में अहमदाबाद में पूर्वोत्तर की खाद्य सामग्री बेचने वाली एक दुकान के दो कर्मचारियों पर एक भीड़ द्वारा हमला कर दिया गया था। भीड़ का मानना था कि उस दुकान से मांसाहारी पदार्थ बेचे जाते हैं, जबकि कर्मचारियों का कहना था कि वे पूर्वोत्तर की कुछ खास किस्म की सब्जियां और चावल वगैरह ही बेचते हैं। दोनों कर्मचारी नागालैंड के मूल निवासी थे तो वहां के भाजपा अध्यक्ष और राज्य मंत्री तेमजेन इमना अलोंग ने इस घटना की निंदा की थी और निराशा भी व्यक्त की थी।

फ़िलहाल, राहत की बात है कि भारी विरोध के चलते मनसे ने अपना आंदोलन रोक दिया है। हालांकि गैर मराठीभाषी लोगों के प्रति अवमानना का उसका भाव तो खत्म होने से रहा। उधर शिवसेना (उद्धव गुट) ने भी कहा है कि वह गैर महाराष्ट्रीय लोगों को प्यार से मराठी सिखायेगी। देखना होगा कि मनसे कब तक इस मुद्दे पर शांत रहती है, मराठी सिखाने के क्या इंतज़ाम शिवसेना करती है और कितने लोग उसके प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं। याद रहे कि हाल ही में 'संघ' के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा था कि मुंबई में रहने के लिए मराठी आना ज़रूरी नहीं है। इस बयान पर हुए विवाद के बाद उन्हें माफ़ी मांगनी पड़ी थी। कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि नफ़रत और हिंसा की जो आग अल्पसंख्यकों के खिलाफ़ भड़काई गई थी, वह अब बिना भेदभाव सबको अपनी चपेट में लेने लगी है।

और इस आग में केवल कुछ बैंक कर्मचारी, डिलीवरी ब्वॉय, ऑटो चालक, बस कंडक्टर, वायुसेना के अधिकारी, मछली व्यापारी या प्रवासी मजदूर ही नहीं झुलस रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को भारी आघात पहुंच रहा है। कई सदियों से 'अनेकता में एकता' हमारे देश की विशिष्ट पहचान रही है, उसे बनाये रखने के लिए सुविचारित दृष्टि, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की ज़रूरत होती है। किसी प्रांत में जाकर कुछ देर के लिये वहां की वेशभूषा धारण कर लेना, लोकनर्तकों के साथ कदमताल कर लेना, भाषण में दो-चार वाक्य वहां की भाषा में बोल देना पर्याप्त नहीं है और न ही 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत', 'बंटेंगे तो कटेंगे' या 'एक हैं तो सेफ़ हैं' जैसे सियासी नारों से कुछ होना जाना है। धर्म, भाषा, खानपान और पहनावे के नाम पर अगर एकरूपता का बुलडोज़र चलाया जायेगा, तो यह देश ही नहीं बचेगा।

ललित सुरजन की कलम से

मोदीजी और उनके मंत्री

'यह स्पष्ट है कि मोदीजी ने अपने मंत्रिमंडल का गठन करते समय यथाशक्य संतुलन साधने की कोशिश की थी। एक ओर उन्होंने पार्टी के कई अनुभवी एवं वरिष्ठ सहयोगियों को सरकार में शामिल किया तो दूसरी ओर अनेक नए चेहरों को भी स्थान मिला। अनुभवहीन सदस्यों को मंत्री बनाना एक व्यवहारिक आवश्यकता भी थी क्योंकि अधिकतर सांसद पहिली बार चुनकर आए थे। सरकार में क्षेत्रीय भावनाओं का भी ध्यान रखा गया है तथा एनडीए के घटक दलों को भी आनुपातिक प्रतिनिधित्व दिया ही गया है। प्रारंभ में एक गड़बड़ी तब हुई थी जब अरुण जेटली को वित्त एवं प्रतिरक्षा दो भारी-भरकम विभाग एक साथ सौंप दिए गए थे। कालांतर में इस स्थिति को दुरुस्त करने का उपक्रम तो हुआ किंतु आभास होता है कि श्री मोदी को श्री जेटली से बढक़र भरोसा अन्य किसी पर नहीं है। मंत्रिमंडल को अधिक पुरअसर बनाने का एक प्रयत्न बीच में हुआ जब मनोहर पार्रीकर व सुरेश प्रभु क्रमश: प्रतिरक्षा एवं रेलवे मंत्री के रूप में लाए गए। ये दोनों उज्जवल छवि के धनी रहे हैं और अभी भी उम्मीद की जाती है कि ये कसौटी पर खरे उतरेंगे।'

(देशबन्धु में 4 जून 2015 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/06/blog-post.html

गुरवाणी विचार

सहस्त्र खटे लाख को उठि धावै

सुख के मांगै सभु को, दुख न मांगै कोय।
सुखै को दुख अगला मन मुख बूझ न होय।।

गुरवाणी की इन पंक्तियों द्वारा गुरदेव हमें समझा रहे हैं कि इस संसार में जो भी जीव आया है और चाहता है कि उसे सदा सुख ही सुख की प्राप्ति होती रहे पर दुख की कोई कामना नहीं करता परंतु सुख चाहने वाले को भी कई बार दुख ही दुख का सामना करना पड़ जाता है। यह देखकर भी व्यक्ति की समझ में फिर भी नहीं आता। ऐसे मनुष्य को मनमुख ही कहा जाएगा। याद रहे दुख और सुख हमें हमारे द्वारा किए गए पूर्व जनमों के कर्मों और इस जनम में किए गए कर्म के अनुसार मिलते है। सुख हमें तभी सदा प्राप्त होगा जब हम प्रभु का नाम सिमरन कर परमात्मा की प्राप्ति कर लेगें। तब हमें सदा सुघ ही सुख की प्राप्ति हो पाएगी। अगर कभी दुख भी मिलेगा तो भी प्रभु आज्ञा मान कर उस वक्त को प्रभु सिमरन में गुजारना है-

जो सुख को चाहे सदा सरण राम की लेहि।

काल और माया की अंधियारी रात में संसार में अज्ञान का घना अंधकार फैला हुआ है इसी कारण आम संसारी मनुष्यों के हृदय में अज्ञान का गहन अंधकार छाया हुआ है इसीलिए वह दुखी परेशान रहता है। चाहता तो सदा सुख ही सुख, आनंद ही आनंद मिलता रहे। सारे जीवन में उसे सदा सफलताएं ही मिलती रहे जिससे उसका जीवन सुखी रहे। वह प्रयत्न करता रहता है, काम, धंधा भी मन लगाकर करता है कि इतना तो धन अर्जित कर ले कि उसे कभी दुख न हो। इसीलिए गुरवाणी में पग पग पर समझाया गया है- बंदे खोज दिल हर रोज न फिर परेशानि माहि।

दुख की यही दशा है कारण सब सांसारिक मोह माया के जाल में फंसे हुए हैं। धन किस तरह अधिक से अधिक कमाया जाये। इसके लिए वह झूठ एवं बेईमानी ठगी का सहारा लेता रहता है। इंसान दस हजार कमाए तो लाख की इच्छा करता है फिर करोड़ों कमाने की सोचता है-

सहस्र खटे लाख को उठि धावै। तृपत न आवै माया पाछै पावै।।

इस तरह इंसान की तृष्णा कभी खत्म नहीं होती और वह मायावी पदार्थों में गलतान रहकर प्रभु परमात्मा को बिसार बैठा है इसीलिए दुख ही दुख पाता रहता है। याद रहे हम जो भी धन, जायदाद संचित कर रहे हैं वह हमारे साथ जाने वाला नहीं है। यह कच्चा धन है जो यहीं रह जाने वाला है यहां तक कि यह जो हमारी काया है वह भी साथ जाने वाली नहीं है जिसे हम हर वक्त सजाते रहते हैं। शरीर से जैसे ही प्राण अलग हुए इस निर्जीव शरीर को अग्नि में भेंट कर दिया जाता है या दफना दिया जाता है। साथ में हमारे वही धन जाएगा जो हमने प्रभु नाम सिमरन कर संचित किया होगा। प्रभु नाम सिमरन की कृपा से हम इस संसार में सुखपूर्वक जीवनयापन कर पाएंगे। इस तरह भवसागर से प्रभु सिमरन द्वारा प्राप्त धन अपनी जीवन नौका को सुचारू रूप से पार लगाकर प्रभु लोक में स्थान को प्राप्त कर सकेंगे। प्रभु की सांची दरगार में स्थान प्राप्त हो जाने पर फिर हमें सदा आनंद ही आनंद की प्राप्ति होती रहेगी। प्रभु का सांचा दरगाह जिसे भक्त रविदास जी ने बेगमपुर का नाम दिया है जहां पर किसी प्रकार गम की चिंता नहीं है। अत:-

हलति सुख पलति सुख सदा सिमरनो नाम हरि का लीजै सदा।

इसीलिए हर इंसान को चाहिए कि वह संसार में आकर मानव जीवन प्राप्त कर सांसारिक मोह,माया का मार्ग त्याग कर प्रभु सिमरन बंदगी में अपना मन लगा लेवें। प्रभु परमात्मा को पाने के लिए हमें कहीं वन, कंदराओं में भटकने की जरूरत नहीं है। हम गृहस्थ में रहकर हाथ-पांव से काम कर अपने परिवार का उदर पोषण भी करते रहना है और नेक कमाई से दसबंध निकाल कर दीन दुखियों की सेवा भी करनी है।

जिन खोजा तिन पाइआं गहरे पानी पैठ। मैं बपुरी खोजन गई रही किनारे बैठ।।

सारे वनस्पति में अग्नि है, दूध में घी है पर हमें जुगत लगाकर ही इसकी प्राप्ति हो पाती है उसी तरह प्रभु सिमरन भक्ति में मन लगाकर उसकी प्राप्ति करनी है तभी हमें दुखों से निजात मिल पाएगी।

सिमरो सिमर सिमर सुख पावो। कल कलेश तनि महि मिटावहो।।

-इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

आतंकवाद पर सर्वदलीय एकता की आवश्यकता

आपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद पर केंद्र सरकार कोई ढील देना नहीं चाहती है। विश्व में तेजी से पैर पसार रहे आतंकवाद पर केंद्र की नीति स्पष्ट है। जीरो टॉलरेंस पर कार्य कर रहे हमारे सैनिक और सरकार के हाथ मजबूत करने के लिए पाकिस्तान को बेनकाब करने की मुहिम तेज कर दी है। आतंकवाद ने नाक में दम कर दिया है। दुनिया मे गिनती के देश पाकिस्तान को आतंकवाद पर मदद के लिए आ सकते है,परन्तु 99 प्रतिशत देश आतंकवाद के खिलाफ है। निर्दोषों का लहू बहाने में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवाद सक्रिय भूमिका में है। भारत पाकिस्तान के आतंकी जुड़ाव को प्रमाणिकता के साथ अन्य मित्र देशों के सामने रखेगा। दरअसल, ब्रिटेन और अमेरिका जाने वाले दल खुलकर आतंकवाद पर समझाइश भी देंगे। यह हमेशा बात जेहन में रखने की है कि आतंकवाद विश्व में तेजी से बढ़ रहा है। इसका खात्मा करना जरूरी है। सरकार सख्त कदम उठा रही है। कांग्रेस का सर्वदलीय बैठक बुलाने की विपक्ष की सधी हुई कूटनीति और राजनीति भी है। आतंकवाद पर सभी दलों को एकजुटता दिखानी चाहिए। इस पर बहस करना फ़िज़ूल है। आतंकवाद सामाजिक और राजनीतिक हानि का सूचक है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर का नाम सार्वजनिक होने के बाद कांग्रेस की हलचल तेज हो गई है। थरूर के नाम से कांग्रेस को न तो निगलते बन रहा है और न उगलते। सत्ता दल तुष्टिकरण का महल खड़ा कर वोटबैंक की राजनीति छोड़ कर देश को आतंकवाद के खात्मे पर ध्यान देना चाहिए। संवेदनशीलता का ध्यान रखते हुए कुवैत,अरब बहरीन व अल्जीरिया जैसे मुस्लिम देशों में भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर को प्रतिनिधित्व दिया गया है। पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवाद पर मुस्लिम समाज और मुस्लिम देशों को कोई एतराज नहीं है। पाकिस्तान का नाम आते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने विरोध जताते हुए शशि थरूर का नाम पर एतराज जताते हुए यह कहा कि किसकी सिफारिश पर शशि थरूर का नाम लिया है। कांग्रेस ने तो सिफारिश नही की है। देश के सभी राजनैतिक दलों को एकजुट होने की आवश्यकता है आपसी मतभेद का किनारे कर, अंदरूनी दोषारोपण छोड़कर देश की स्थिति पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कांग्रेस ने आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस को पूछे बिना उनकी पार्टी के नाम की घोषणा कर दी है। प्रतिपक्ष का पूरा दायित्व बनता है कि देश पर आपत्ति आने पर सरकार के हाथ मजबूत करे। सत्तापक्ष को भी विपक्षी दलों को विश्वास में लेकर आपसी सलाह से कार्य करना चाहिए। आतंकवाद को जड़ से साफ करने के लिए विश्व समुदाय को साथ में लेकर चलना ही होगा। भारत उभरती हुई शक्ति है लिहाजा,सरकार का साथ देने और आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिए एकजुट होना होगा। ओवैसी और निशिकांत एक ही दल के हैं और विदेश में पाकिस्तान को बेनकाब करने और आतंकवाद को वैश्विक समस्या बताने के लिए विदेशी दौरा करेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ओवैसी तैयार हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि देश सबका है आतंकवादी दहशतगर्दी फैलाकर विश्व में अशांति फैलाने के लिए बेताब है। लेकिन मुठ्ठी में ताकत है लिहाजा,इसे खोलने के लिए ताकत लगानी पड़ती है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

सार-समाचार

कांग्रेसियों ने देवडा और शाह पुतला फूंक कर जताया विरोध

बडामलहरा, देशबन्धु। मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा पीएम व सेना पर दिए बयानों के खिलाफ कांग्रेस की ब्लाक इकाई ने रविवार को रैली निकाली और दोनों नेताओं का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया है। स्थानीय बस स्टैंड पर प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी करके कहा गया कि हम सैनिकों का अपमान सहन नहीं कर सकते हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस के सामने ही देवडा और शाह पुतला दहन कर दिया। पुलिस बल मूकदर्शक बना रहा। प्रदर्शन में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार सिंह चौहान, अशोक शर्मा, रामावतार यादव, सरमन यादव, शालिगराम शर्मा, संजू शर्मा, अर्जुन सिंह चंदेल, चरणसिंह चंदेल, गजेन्द्रसिंह, लोकेंद्र सिंह, गजेंद्र पठिया, शिशुपाल अहिरवार, तौफीक खान, सतेंद्र राजा, शिखर जैन, शिवम् सेन, संतोष प्रजापति, सहित अनेक कांग्रेसी शामिल हुए।

मोटरसाइकिल की टक्कर से अधेड़ की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। गुलगंज थाना क्षेत्र के बस स्टैंड पर रविवार को दोपहर में एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने पैदल जा रहे अधेड़ को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार गुलगंज निवासी घनश्याम पुत्र झलिया अहिरवार अपनी पत्नी के साथ इलाज कराने आया था। टक्कर लगने के बाद लोगों ने निजी वाहन से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उस मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

सड़क किनारे खड़े डीजे से मोटर साइकिल टकराई, 2 घायल

बमीठा, देशबन्धु। ग्राम बसारी के पास सडक के किनारे खडे एक डीजे से टकराकर मोटर साइकिल सवार दो युवक घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम रगौली निवासी भागीरथ रैकवार 26 वर्ष और सूरज रैकवार 22 वर्ष नशे में घुत्त होकर मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 16 एमएच 3243 से जा रहे थे। सुबह करीब 4 बजे ग्राम बसारी के पास हाइवे के किनारे ख? एक डीजे वाहन से उनकी मोटर साइकिल पीछे से जा टकराई। जिससे दोनों युवक बुरी तरह से घायल हो गए। घटना की सूचना पर दोनों घायलों को हाइवे की एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।

खैर की लकड़ी जब्त

बमीठा, देशबन्धु। छतरपुर वन रेंज के अंतर्गत गंज बीट से अवैध रुप से काटकर भंडारित खैर की लकडी जब्त करके पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। बताया गया है ग्राम हतना सतना में भारी मात्रा में खैर की लकडी का अवैध भंडार करने की सूचना मिली थी। जिस पर वन अमले ने मौके पर छापामार कार्यवाही की, तो मौके से ग्राम कुसमा महाराजपुर निवासी संतोष सिंह पुत्र दुर्जन सिंह ठाकुर पिकअप लोडर वाहन क्रमांक यूपी 95 टी 5763 को लेकर भाग गया। आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करके लकडी जब्त कर ली है।

वृद्ध पर जानलेवा हमला

बमीठा, देशबन्धु। थाना के अंतर्गत ग्राम चौका कोडन में अपने घर के बाहर सो रहे 62 वर्षीय वृद्ध पर लोहे की राड से जानलेवा हमला करके उसे बुरी तरह से घायल कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार 62 वर्षीय गणेश पुत्र बटिया पटेल घर के बाहर सो रहा था। तभी गांव के मनीराम पटेल ने लोहे की रॉड से गणेश पर जानलेवा हमला बोल दिया। इससे उसके सिर, पैर और हाथों गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना पर पुलिस ने एंबुलेंस से वृद्ध को जिला अस्पताल ले जाकर भर्ती करा दिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज करके जांच शुरु कर दी है।

आवेदन की अंतिम तिथि आज

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 से आईसीएआर नई दिल्ली द्वारा स्थापित मानकों के अनुरूप बीएससी कृषि पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 19 मई तक आवेदन किया जा सकेगा। इसके लिए प्रवेश परीक्षा 8 जून को कराई जाएगी।

पुलिस थाने के पास हुई घटना, कुछ ही दूर है स्कूल

तेज रफ्तार ट्रक रैलिंग तोड़कर सर्विस रोड में घुसा, बड़ा हादसा टला

सांची, देशबन्धु। नगर के व्यस्ततम क्षेत्र पुलिस थाने के पास रविवार को एक बड़ा हादसा उस समय टल गया जब तेज रफ्तार ट्रक लोहे की रैलिंग तोड़ता हुआ सर्विस रोड में जा घुसा। सबसे बड़ी बात यह रही कि छुट्टी का दिन होने के कारण स्कूल बंद था नहीं तो बड़ा हादसा भी हो सकता था। राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे सर्विस रोड पर पैदल चलने वालों और छोटे वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है। इनकी सुरक्षा के लिए हाईवे किनारे लोहे की रैलिंग लगाने का कार्य लाखों रुपये की लागत से किया गया था, लेकिन विभागीय लापरवाही और रखरखाव के अभाव में यह रैलिंग जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। कुछ स्थानों पर तो स्वार्थी तत्व रैलिंग उखाड़कर ले भी गए हैं। विभागीय अधिकारियों द्वारा अब तक न तो क्षतिग्रस्त रैलिंग की मरम्मत करवाई गई है और न ही गायब हुई रैलिंग की भरपाई या जांच की गई है।

स्थानीय नागरिकों द्वारा कई बार सड़क किनारे सांकेतिक बोर्ड लगाने, रेडियम चिन्हांकन और अतिक्रमण हटाने की मांग की गई, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और प्रशासन के आश्वासनों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्य नहीं किया गया है। गौरतलब है कि कुछ समय पूर्व कलेक्टर द्वारा व्यस्ततम क्षेत्रों और विद्यालयों के पास सुरक्षा चिन्ह एवं चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए थे, परंतु यह निर्देश भी अनदेखी की भेंट चढ़ गए हैं।

बारिश पूर्व बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने चल रहा काम

सांची, देशबन्धु। जिले में बदलते मौसम और आसमान में लगातार बादलों के डेरा जमाने के चलते आगामी दिनों में तेज हवा, आंधी और बारिश की संभावना बढ़ती जा रही है। हर वर्ष तेज हवा और आंधी के दौरान बिजली लाइनों पर पेड़ गिरने से आपूर्ति बाधित होती रही है, जिससे आमजन को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन्हीं संभावित समस्याओं से निपटने के लिए विद्युत वितरण कंपनी ने इस बार समय रहते तैयारी शुरू कर दी है। बारिश पूर्व विशेष अभियान चलाकर बिजली लाइनों के समीप स्थित छोटे-बड़े पेड़ों की छंटाई का कार्य किया जा रहा है, ताकि आंधी-तूफान में गिरने वाले पेड़ बिजली आपूर्ति को प्रभावित न कर सकें।

इस समस्या को लेकर क्षेत्रीय अधिकारियों ने सभी बिजली कर्मचारियों को बिजली लाइन को पेड मुक्त करने के निर्देश दिये हैं। इसके अलावा बिजली विभाग द्वारा लाइन की मरम्मत, जर्जर तारों की पहचान एवं बदलने का काम भी तेजी से किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार यह कार्य अगले कुछ सप्ताहों तक चलेगा, ताकि बारिश के दौरान उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान: बावड़ी की सफाई कर ली स्वच्छता की शपथ

देवास, देशबन्धु। जिले में कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही नदी, नालों, कुएं, बावड़ियों एवं कुंड की साफ-सफाई की जा रही है तथा उनमें से गदंगी और गाद बाहर निकाली जा रही है। अभियान के तहत मप्र जन अभियान परिषद द्वारा देवास विकासखंड के ग्राम निकंलन के निष्कलंकेश्वर महादेव मंदिर की बावड़ी की साफ-सफाई की। साथ ही स्वच्छता की शपथ ली। इस दौरान मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयकसचिन सिम्पी, विकासखंड समन्वयक, नीलम सोनी, पंचमुखी हनुमान मंदिर के कृष्ण गोपाल दास जी महाराज एवं निष्कंलेश्वर महादेव मंदिर के परमानंद महाराज एवं नवांकुर और प्रस्फुटन समिति के सदस्य सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी, परामर्शदाता, कृष्णपाल सिंह पंवार, देवेंद्र धाकड़, पूजा बैरागी आदि उपस्थित थे।

कलश यात्रा के साथ श्रीराम महायज्ञ और कथा का शुभारंभ

▶ ग्राम डाबर में 9 दिन तक चलेगा आयोजन

रायसेन, देशबन्धु। जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर ग्राम डाबर में रविवार से 51 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीराम कथा शुभारंभ हो गया। इसको लेकर भव्य कलशयात्रा निकाली गई। खंडेरा वाली मैया के दरबार से निकली यह कलश यात्रा सागर मार्ग होते हुए श्री राम यज्ञ एवं श्री राम कथा स्थल तक ढाई किलोमीटर का सफर तय करते हुए पहुंची। 26 मई तक चलने वाले इस नव दिवसीय कार्यक्रम में श्रीराम महायज्ञ के साथ बुंदेलखंड के सुप्रसिद्ध श्रीमद् भागवत कथा एवं श्रीराम कथा वाचक पंडित विपिन बिहारी महाराज के श्रीमुख से राम कथा का वाचन किया जाएगा वहीं वृंदावन धाम से आए यज्ञाचार्य पंडित जयप्रकाश शास्त्री महाराज द्वारा श्रीराम महायज्ञ संपन्न कराया जाएगा। इसके साथ ही 51 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ में सुप्रसिद्ध पंडितों द्वारा यज्ञ हवन का कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। श्रीराम महायज्ञ में 251 यजमान भाग ले रहे हैं। आयोजकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीराम कथा एवं श्रीराम यज्ञ स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई है। काफी क्षेत्रफल में यज्ञशाला का सुंदर निर्माण कार्य कराया गया है। पूर्व में ग्राम डाबर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा विशाल मंदिर में की गई है। इस आयोजन में ग्राम डाबर सहित आसपास के दर्जनों ग्राम के लोग सहयोग कर रहे हैं। कलश यात्रा में लगभग 2 हजार महिलाएं एवं बालिकाएं अपने सिर पर कलश लेकर शामिल हुई। इसके अलावा हजारों की तादाद में लोग भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे साथ में कीर्तन भजन मंडली भी संकीर्तन करते हुए साथ चल रही थी। कलश यात्रा में अनेक डीजे, ढोल, बैंड बाजे शामिल हुए। कलश यात्रा में ग्राम डाबर, खंडेरा, साचेत, नकतरा, अमरावत, विशनखेड़ी, बनखेड़ी, सोनकच्छ, कुरावद, बड़ौदा, खेजडा, ग्यारहसा बाद, पीपल खेड़ी, सगोनिया, डंडेरा, सहित अनेक ग्रामों से आए धर्म प्रेमी हजारों की संख्या में शामिल हुए।

झांकी रही आकर्षण का केंद्र: कलश यात्रा में शामिल भगवान राम सीता एवं शंकर पार्वती की सजाई गई सुंदर झांकी दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र थी। जगह-जगह धर्म प्रेमियों द्वारा शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर ऐतिहासिक स्वागत किया गया एवं शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह ठंडा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई थी।

विधायक और जनप्रतिनिध हुए शामिल: ग्राम डाबर में आयोजित होने वाली श्री राम कथा एवं श्री राम महायज्ञ के आयोजन के लिए रविवार को ग्राम खंडेरा स्थित माता मंदिर से निकली गई कलश यात्रा में जहां एक और हजारों की तादाद में धर्म प्रेमी शामिल हुए वहीं दूसरी ओर जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉक्टर प्रभुराम चौधरी, खिलानसिंह बघेल, देव किशन शर्मा, भाजपा नेता जमना सेन, बृजेश चतुर्वेदी, राजेंद्र सिंह बघेल, वीरेंद्र बघेल, तीरन सिंह बघेल, कल्याण सिंह लोधी, जीतू ठाकुर, सीएल गौर, नरेंद्र पटेल भी मौजूद रहे।

ट्रैफिक सिग्नल बंद होने से प्रभावित हो रहा यातायात

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के आकाशवाणी तिराहा, फुब्बारा चौक, छत्रसाल चौराहा और पन्ना नाका पर 2015 में लगाए गए ट्रैफिक सिग्नल बंद होने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई है।

सिग्नल कुछ समय पहले तक चालू था, जो पिछले एक माह से बंद है। इससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यातायात प्रभारी बृहस्पति कुमार साकेत ने बताया कि सिग्नल बंद होने का मुद्दा सड़क सुरक्षा बैठक में कलेक्टर के समक्ष उठाया है। नगर पालिका को सुधार के निर्देश भी दिए हैं। सीएमओ माधुरी शर्मा का कहना है कि आकाशवाणी तिराहे के सिग्नल का सुधार कार्य जल्द शुरू होगा। बताया जाता है कि सिग्नल संचालन के लिए एक निजी कंपनी से अनुबंध हुआ था, जिसमें कंपनी सिग्नल पर विज्ञापन बोर्ड लगाकर उन्हें संचालित करने वाली थी। हालांकि, सिग्नल बंद पड़े हैं, लेकिन विज्ञापन बोर्ड का कार्य निर्बाध जारी है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका और प्रशासन से सिग्नल व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि यातायात सुगम हो और चौराहों पर होने वाली अव्यवस्था से निजात मिले।

पंचायत में चल रही मनमर्जी

मजदूरों के बजाय मशीनों से खोदा जा रहा तालाब

छतरपुर, देशबन्धु। राजनगर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत कुटिया में हरिराम अहिरवार पुत्र सल्ला अहिरवार के खेत पर तालाब निर्माण कार्य में धांधली की जा रही है। मनरेगा से तालाब का निर्माण मजदूरों की बजाय मशीनों से कराया जा रहा है।

तालाब निर्माण के लिए मनरेगा योजना के तहत 4 लाख 75 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें मजदूरों से कार्य कराया जाना आवश्यक है, परंतु यहां मशीनों से काम हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार तालाब खुदाई में मजदूरों की बजाय जेसीबी मशीन का प्रयोग किया जा रहा है, जो मनरेगा के नियमों का उल्लंघन है। इस कार्य में न स्थानीय मजदूरों को रोजगार मिल रहा है, न योजना का उद्देश्य पूरा हो रहा है। ग्राम पंचायत के सचिव द्वारा इस कार्य की निगरानी भी नहीं कि जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मामले की गंभीरता से जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।ग्राम पंचायत कुटिया के सचिव संजय सिंह का कहना है कि हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। हमें सिर्फ मजदूरी का भुगतान करना है। मशीन का कोई भुगतान नहीं किया जाएगा।

फरार आरोपियों पर किया इनाम घोषित, कई पकड़े गए

छतरपुर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए इनाम घोषित किया है। विभिन्न थाना क्षेत्रों में इनामी आरोपियों को पकडने् के लिए अभियान तेज करने के निर्देश दिए गए हैं।

नौगांव अपहरण कांड के आरोपियों पर 10 हजार, ईशानगर में 2024 के लूट मामले में 5 हजार, अलीपुरा में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में 8 हजार, राजनगर में हत्या के प्रयास में फरार लवकुश पटेल, हिसाबी पटेल, सतीश पटेल, अखिलेश पटेल, अनिल पटेल (डिगोनी) के लिए 7 हजार, बिजावर में अवैध वसूली और मारपीट में दशरथ अहिरवार पठारी कला के लिए 5 हजार, सटई में चोरी के मामले में रवि रैकवार बसारी के लिए 3 हजार और लवकुशनगर, बमीठा, चंदला, हरपालपुर में अज्ञात आरोपियों के लिए 3-3 हजार का इनाम घोषित किया गया है। अपहरण के पुराने मामलों (2020 से पहले) में 10 हजार, 2021-2023 में 5 हजार और 2024 में 3 हजार का इनाम घोषित किया गया है।

पुलिस का विशेष अभियान

विशेष अभियान में पुलिस ने कई इनामी आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। बड़ामलहरा पुलिस ने चोरी के दो मामलों में 16 हजार के इनामी चरन अहिरवार (देवथा) को पकड़ा है। लवकुशनगर पुलिस ने हत्या के मामले में 10 हजार के इनामी अनुज उर्फ हरिओम राजपूत, सतीश राजपूत रजपुरवा को गिरफ्तार किया। बमनौरा पुलिस ने हत्या के प्रयास में 8 हजार के इनामी इंदु उर्फ इंद्रपाल सिंह घोसी, राजा भैया घोसी बंधा को पकड़ा है। छतरपुर के ओरछा रोड पुलिस ने लूट-डकैती में 5 हजार के इनामी रवि अहिरवार थरा, दीपक तिवारी शारदा नगर, करण अहिरवार, राहुल साहू, शिवा अहिरवार, रवि कुशवाहा नारायणपुरा और चोरी में 5 हजार के इनामी शहीदुल उर्फ लादेन दमोह को गिरफ्तार किया है। सटई पुलिस ने मारपीट में 3 हजार के इनामी भगवान दास उर्फ कटु यादव, अरविंद यादव कदवां को पकड़ा। हरपालपुर पुलिस ने 3 हजार के इनामी ललित खटीक निवासी वीर सिंह का पुरा और लवकुशनगर पुलिस ने 3 हजार के इनामी प्रभु दयाल श्रीवास को गिरफ्तार किया है। गौरिहार पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में 3 हजार के इनामी रामकेश कुशवाहा को पकड़ा है।

सुविधाएं देने की बजाय बिल वसूली तक सीमित है कंपनी

मनमानी: बिजली मिल रही कम, बिल वसूला जा रहा ज्यादा

महाराजपुर, देशबन्धु। अंचल में बिजली कंपनी की सारी व्यवस्थां लडखडाई हुई है। कंपनी की मनमानी का खामियाजा आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड रहा है। मनमानी इस हद तक है कि लोगों को भले ही बिजली कम दी जाए, मगर उनसे अधिक से अधिक बिल वसूलकर परेशान किया जा रहा है।

सरकार ने आमजन को 24 घंटे सुविधाजनक तरीके से बिजली देने के लिए बिजली विभाग का संचालन निजी कंपनी को सौंपा है, मगर कंपनी के नुमाइंदों की मनमानी के कारण सरकार का सपना पूरा नहीं हो पा रहा है। हाफ बिजली और बिल पूरा की स्टाइल में बिजली कंपनी के नुमाइंदे लोगों को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड रहे हैं। महाराजपुर तहसील क्षेत्र के करीब 50 गांवों में बिजली उपलब्ध कराने के लिए ग?ीमलहरा और महाराजपुर में कंपनी के दो कार्यालय खुले हैं। इनमें पदस्थ अधिकारियों की लापरवाही से तहसील क्षेत्र की बिजली व्यवस्था ल?ख?ाई हुई है। इससे उपभोक्ताओं में आक्रोश पनप रहा है। लोगों ने बताया कि बिजली कंपनी द्वारा मेंटीनेंस के बहाने अकसर अधोषित बिजली कटौती की जाती है। मेंटीनेंस भी ऐसा होता है कि जरा सी तेज हवा में तार टूट जाते हैं, पुरारे खंभे गिर जाते हैं, तारों में शार्ट सर्किट से चिंगारियां निकलने से पूरे अंचल की बिजली गुल हो जाती है। इसके बावजूद उपभोक्ताओं को खपत से ज्यादा के बिल थमाकर सख्ती से वसूली करने में कोई कसर नहीं छोडी जाती है।

बिना सुरक्षा उपकरण के मरम्मत कार्य की जिम्मेदारी

कंपनी के फायदे के लिए कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण तक नहीं दिए जाते हैं। आउटसोर्स द्वारा अप्रशिक्षित कर्मचारियों को मेंटीनेंस का काम सौंपा गया है। उनके पास न हैल्मेट, ग्लोव्स हैं न अन्य सुरक्षा उपकरण दिए गए हैं। वे अपनी जान जोखिम में डालकर खंभे पर चढकर मेंटीनेंस में लगे रहते हैं। डीपी में बिना ग्लोव्स के सुधार कार्य करते हैं। इस दौरान कई बार तो इस कार्य में करंट लग जाने से इनकी जान तक चली जाती है। मगर ये सब कंपनी के अधिकारियों न दिखाई देता है, न इनके मन में कर्मचारियों के प्रति जरा सी संवेदना है। उल्लेखनीय है कुछ महीने पहले आउटसोर्स कर्मचारी सुरेश रैकवार बिना सुरक्षा उपकरण के खंभे पर चढ़कर काम करते समय गिरकर अपनी जान गंवा चुका है। इस कर्मचारी के परिवार को कंपनी ने तो मदद नहीं दी, मगर कर्मचारियों ने चंदा करके पीड़ित परिवार को बीस हजार रुपए की मदद की थी।

सार समाचार

श्रमदान दल ने चलाया बेतवा नदी के रिपटा घाट पर की सफाई

गंजबासौदा, देशबन्धु। बेतवा रिपटा घाट पर श्रमदान दल के सदस्यों ने सुबह सफाई अभियान चलाया। श्रमदान दल के सदस्य प्रत्येक रविवार को बेतवा घाट की सफाई करते हैं। दल के अधिकांश सदस्य शासकीय कर्मचारी हैं, जो अपने अवकाश के दिन इस पुनीत कार्य में जुटते हैं। श्रमदान दल के सदस्य आकाश जैन ने बताया कि वे सफाई के साथ-साथ लोगों को जागरूक भी कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से धार्मिक अनुष्ठान की सामग्री को नदी में न डालने की अपील की। विशेष रूप से पॉलिथीन से होने वाले नुकसान के बारे में बताया, जो जलीय जीवों के लिए खतरनाक है। रविवार को सुबह 7 बजे से 10 बजे तक चले इस अभियान में एक दर्जन से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। टीम ने एक ट्रॉली से अधिक कचरा नदी से निकाला। इस दौरान स्नान करने आए लोगों को नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया। श्रमदान दल के सदस्यों ने कहा कि नदियां हमारे जीवन का आधार हैं। इनकी सुरक्षा और स्वच्छता की जिम्मेदारी सभी नागरिकों की है। लगातार प्रयासों के बावजूद नदी में प्रदूषण की समस्या बनी हुई है, जिसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है।

देहात थाने में हुई पुलिस और पूर्व सैनिकों की बैठक

साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर की चर्चा, लोगों को जागरुक करने पर जोर

गंजबासौदा, देशबन्धु। रविवार दोपहर बासौदा देहात थाना परिसर में पुलिस और सेना के पूर्व जवानों की बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिंह ने इसकी अध्यक्षता की। यह बैठक पुलिस अधीक्षक रोहित कशवानी के निर्देशन में आयोजित की गई। बैठक में सभी पूर्व सैनिकों ने सिविल डिफेंस वॉलंटियर के रूप में अपना पंजीकरण कराया।

साइबर सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चा हुई। थाना प्रभारी ने पूर्व सैनिकों से साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता फैलाने का आग्रह किया। साथ ही नशे के विरुद्ध अभियान और यातायात नियमों के पालन को लेकर लोगों को जागरूक करने की अपील की। बैठक में रिटायर्ड फौजी महेश शर्मा और कैप्टन मुस्ताक खान सहित कई पूर्व सैनिक मौजूद रहे। सभी पूर्व सैनिकों ने समाज में नियमों के पालन के लिए अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। भविष्य में भी उनके सहयोग की अपील की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे और एसडीओपी बासौदा मनोज मिश्रा के मार्गदर्शन में यह बैठक शासन की सिविल डिफेंस वॉलंटियर योजना के तहत आयोजित की गई। वर्तमान सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए पूर्व सैनिकों से पुन: सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया गया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

सलकनपुर से 23 को शुरू होगी नर्मदा पंचकोशी पदयात्रा

भेरूंदा/सलकनपुर, देशबन्धु। पूज्य गुरुदेव रविन्द्र भारती चौरे कृत नर्मदा पंचकोशी पदयात्रा केन्द्रीय समिति पुनासा, शैव एवं शाक्त प्रवासी सम्प्रदायों के संयुक्त तत्वावधान में विंध्यवासनी कोटिलिंगेश्वर आंवलीघाट पंचकोशी पदयात्रा सलकनपुर ज्येष्ठ कृष्ण अचला एकादशी 23 मई से ज्येष्ठी वटसावित्री अमावस्या 27 मई तक आयोजित होगी।

नर्मदा लघु पंचकोशी पदयात्राओं के जनक ब्रम्हलीन पूज्य गुरुदेव डॉ रवींद्र चौरे भारती सलकनपुर की इस यात्रा को शिव और शक्ति की यात्रा बताते थे। जिन्होंने 1975 में ओंकारेश्वर की प्रथम यात्रा से नर्मदा किनारे की पंचकोशी यात्राओ की शुरुआत की। इस वष यह 3 मई सुबह स्नान कर मां बिजासन देवी सलकनपुर वाली मैया के दर्शन कर ध्वज पूजन कर प्रारंभ होगी। आंवली घाट में प्रथम रात्रि विश्राम रहेगा। 24 मई को ग्राम निनोर में दूसरा रात्रि विश्राम होगा। 25 मई को नाव द्वारा पार ग्राम आंवली घाट में तिसरी रात्रि विश्राम रहेगा। 26 मई ग्राम बाबरी में चौथा रात्रि विश्राम रहेगा। 27 मई सुबह मां नर्मदा स्नान, ध्वज पूजन कर प्रस्थान होगा । संध्या पूर्व ग्राम आंवली घाट में प्रवेश कर आरती पूजन भजन कीर्तन के साथ यात्रा का समापन होगा। यात्रा में सुरेश चौबे और संचालक गण बसंत परसाई, गोलू शर्मा, राजेन्द्र उपाध्यक्ष, मुकेश सिंह, हरीसिंह, श्यामसिंह,सुंदर सिंह , रामकिशन यादव, देवीसिंह, सोमसिंह यादव, दयाल, राकेश रघुवंशी, चम्पालाल गौर, मुकेश बघेले डोलरिया, सोमसिंह, ओम भाई, भैयालाल बसया डोलरिया, समती प्रसाद साहू, सरदार सिंह जिराती,द्वारका प्रसाद सिकरवार अजमेर सिंह सिकरवार जगदीश यादव, अर्जुन सिंह यदुवंशी, सुनील सिंह सुपरली , ओम गोस्वामी, दुर्गा प्रसाद हिरनोड़ा राजू महाराज, मन्नू, लाल साहब, सुरेन्द्र सिंहशेरसिंह चन्देल डोलरिया, भोपाली बाबा, वनवारी लाल शर्मा, सुंदर पटैल, नेपाल सिंह, देवी सिंह विजयगिरी राधेश्याम शर्मा, शंकरलाल यादव आदि प्रमुख रूप से शामिल रहेगे।

संघ का महाविद्यालय विद्यार्थी शिक्षा वर्ग शुरू

सिरोंज, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ के मध्यभारत प्रांत के महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्यकर्ताओं के लिए संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन किया जा रहा है। 17 मई से प्रारंभ हुए संघ शिक्षा वर्ग का औपचारिक उद्घाटन रविवार को किया गया। सिरोंज के सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग का उद्घाटन वर्गाधिकारी प्रहलाद सबनानी, वर्ग कार्यवाह त्रिवेश लोधी,वर्ग पालक सुरेन्द्र सिंह एवं प्रान्त सह कार्यवाह विजय दीक्षित द्वारा मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्चन दीप प्रजवलित का किया गया।

साथ ही वर्ग में बौद्धिक प्रदर्शनी व वाचनालाय का भी उद्घाटन भी किया गया। संघ शिक्षा वर्ग में सम्मिलित शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक, योग, सेवा, प्रबंधन और संघ कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। संघ का कार्य व्यक्ति निर्माण का कार्य है। 15 दिन के इस वर्ग में युवा कठोर अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे। मध्य भारत प्रांत के प्रांत सह कार्यवाह विजय दीक्षित ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से प्रतिवर्ष अपने कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन किया जाता है। संघ शिक्षा वर्ग में हमें मन की साधना, स्व-अनुशासन, त्यागपूर्ण जीवन, सामूहिक जीवन के सामंजस्य को सीखते हुए विविध प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना है। यहां हमें सामूहिक जीवन को व्यापक संदर्भ में समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्ग में हमें स्वयं के लिए कठोर अनुशासन का पालन करते हुई प्रशिक्षण प्राप्त करना है।

भंडारे में पहुंचे हजारों श्रद्धालु, मंदिर समिति ने की थी व्यापक तैयारियां

गंज हनुमान मंदिर में चल रहे 51 कुण्डीय महायज्ञ और भागवत कथा का समापन

गंजबासौदा, देशबन्धु। गंज हनुमान मंदिर में महंत महेश्वर दास त्यागी के मार्गदर्शन में चल रहे सात दिवसीय 51 कुण्डी महायज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन हजारों श्रद्धालुओं के भंडारे के साथ हुआ। रविवार को प्रात: करीब 11 बजे से भंडारा प्रारंभ हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। 51 कुण्डी श्रीराम यज्ञ के आचार्य पं. केशव शास्त्री रहे व श्रीकृष्ण शास्त्री ठाकुर महाराज थे, जिनके श्रीमुख से सात दिन श्रद्धालुओं ने मंत्रमुग्ध होकर कथा सुनी। ज्ञात हो कि गर्मी के मौसम में इतने अधिक तापमान के बाद भी कथा के समय पंडाल लबालब भरा रहता था और कुछ दिन तो पंडाल के बाहर तक श्रद्धालुओं ने बैठकर कथा सुनी।

आयोजन में हुआ संत समागम

गंज हनुमान मंदिर पर प्रथम दिवस से ही संत समागम देखने को मिला। क्षेत्र की जनता ने इन दिव्य संतों के दर्शन किए। मुख्य आयोजक महंत महेश्वर दास त्यागी महाराज ने श्रीराम यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात यज्ञ में समलित होने पहुंचे हजारों संतों व साधुओं की विदाई भी की, जिसके साथ दिव्य व भव्य आयोजन का भव्य समापन हुआ।

ट्रैक्टर-ट्रालियों से लाई गई भोजन प्रसादी

अनुमान था कि 50 हजार से भी अधिक के जन समुदाय भंडारे की प्रसादी के लिए पहुंचेंगे। जिसके लिए मंदिर समिति ने भी पूर्ण तैयारी की थी। भोजन प्रसादी के लिए भोजन शाला में बड़ी बड़ी भट्ठियों का निर्माण किया गया था। कथा पंडाल में भंडारे की व्यवस्था की गई थी। भोजन शाला से कथा पंडाल तक सामाग्री पहुंचाने के लिए ट्रैक्टर ट्रालियों का सहयोग लिया गया था। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार से कोई समस्या न हो इसलिए भोजन प्रसादी परोसने के लिए अनेक टोलियां भी बनाई गई थी जिसकी जिम्मेदारी अलग अलग लोगों व श्रद्धालुओं ने स्वयं ही उठा रखी थी। व्यवस्था इतनी बेहतर थी कि इतने बड़े भव्य आयोजन में किसी भी प्रकार की कोई अव्यवस्था देखने को नहीं मिली।

साधु की परंपरा गुरु के अनुसार चलती है: विकसंत सागर

आष्टा,देशबन्धु। हम सभी भगवान महावीर स्वामी के शासन में विराजमान हैं। मां जिनवाणी को श्रवण करने मुनिराज के साथ उपस्थित हैं। लोग समझ व देख नहीं पा रहे हैं। हमारे अंधकार को धरती के देवता दूर करने के लिए पावन धरा पर अवतरित हुए। मुनिश्री की हर चर्या, क्रियाओं को व्यवस्थित रूप से करने में सहभागी बनें। इससे आपको उनके पुण्य का कुछ हिस्सा मिलता है। अपने कर्मों के हिसाब से जीवन जी रहे हैं।

कुछ जीव महानता का परिचय दे रहे हैं। जिनशासन में नाम की नहीं गुणों की पूजा होती है।संतों से कभी मत पूछना की कब जाओगे, किधर जा रहें हैं।रावण ने कितनी साधना की , अगर वह दिगंबर संत बनते तो मोक्ष निर्वाण प्राप्त कर लेते।जिन संतों मुनिराजों के चरणों में स्वर्ग के देवता और सौधर्म इंद्र चरणों में नमोस्तु - नमोस्तु करते हैं। साधु संतों को अपने अनुसार नहीं चलाएं बल्कि उनके गुरु अनुसार चलने देवे। साधु की परम्परा गुरु के अनुसार चलती है। आपकी परम्परा अनुसार नहीं । अपने अनुसार संतों को चलाएंगे तो धर्म नहीं चलेगा,संत अपने गुरु परम्परा अनुसार चलेंगे तो धर्म बढ़ेगा। तीन परम्परा के साधु इस धरती पर भ्रमण कर रहे हैं। उक्त बातें नगर के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर पर विराजमान श्रमणोपाध्याय विकसंत सागर मुनिराज ने आशीष वचन देते हुए कही। आपने कहां कि जहां श्रावक नहीं होते हैं, वहां पर देवता आकर संतों के चरणों में नमन करते हुए आहार कराते हैं।

भक्ति देखना है तो राजा श्रेणिक की देखें। सुनी सुनाई बातों पर भरोसा कर लेते हैं। जबकि गहराई में जाकर यह देखना चाहिए कि यह क्यों किया गया है।हम साधु -संतों को अपने अनुसार चलाते हैं जबकि साधु -संतों के अनुसार चलना चाहिए। कच्चे पानी का उपयोग व सेवन नहीं करें। साधु कच्चे पानी पर नहीं चलते हैं। गाजे-बाजे के साथ पूज्य मुनि संघ मंगल अगवानी कर मंगल प्रवेश कराया।

29 को धूमधाम से मनाई जाएगी महाराणा प्रताप जयंती

आष्टा, देशबन्धु । महाराणा प्रताप छात्रावास सेमनरी रोड पर महाराणा प्रताप जयंती उत्साह उमंग एवं धूमधाम से मनाने हेतु मेवाडा राजपूत समाज की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में 29 मई को मनाए जाने वाली महाराणा प्रताप जयंती को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा हुई एवं जयंती मनाने हेतु कार्य योजना बनाई गई ।

इस अवसर पर महाराणा प्रताप जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का भी मनोनयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष सजनसिंह मेवाडा को एवं उपाध्यक्ष पद पर निर्मल पटेल को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर महाराणा प्रताप जयंती मनाने हेतु विस्तृत रूप से चर्चा की गई। चर्चा के दौरान तय किया गया कि आगामी 29 मई को महाराणा प्रताप जयंती का चल समारोह महाराणा प्रताप चौक गायत्री मंदिर से प्रारंभ होकर सेमनरी रोड स्तिथ समाज की धर्मशाला पहुचेगा । जहां पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। सम्पन्न हुई बैठक में जीवन सिंह मंडलोई, गजराज सिंह ,नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाडा, देवसिंह मेवाडा, महेश मुंदीखेड़ी, अरविंदसिंह जताखेड़ा, दिग्विजय सिंह राजपूत, भगवतसिंह मेवाडा, सोनू मेवाड़ा, रमेश मेवाड़ा, विष्णु पटेल, मोरसिंह राजपूत, दीपकसिंह, गजेंद्रसिंह, जितेंद्रसिंह, संजय मेवाड़ा, भंवरजी मेवाड़ा, जीवनसिंह मेवाडा, घिसीलाल मेवाड़ा, गोपालसिंह मेवाडा आदि उपस्थित थे।

अधिकारियों ने पीएमश्री बालक विद्यालय का किया निरीक्षण

भेरूंदा, देशबन्धु। एडीपीसी सीहोर आरआर उईके एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी ललित कीर द्वारा पीएमश्री शास बालक माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया गया। संस्था में चल रहे समर कैम्प में बच्चों से बातचीत कर उनके सीखने के प्रयासों को जाना एवं उनका प्रोत्साहन किया।

आगामी सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए शाला स्तर पर किए गए प्रयास की समीक्षा कर अभी तक हुए प्रवेश पर चिंता व्यक्त की गई। उन्होंने सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को निर्देश दिए कि गृह संपर्क के माध्यम से अधिक से अधिक पालकों से सम्पर्क कर एवं प्रचार प्रसार के माध्यम से बच्चों की संख्या बढ़ाएं। इसके लिए उन्होंने एसएमसी की बैठक कर योजना बनाकर शीघ्र ही अवगत कराने को कहा। इसके बाद नगर में ऑटो से एलाउंस किया जा रहा है। प्राचार्य श्रीमती रुक्मणी दुबे ने बताया की बच्चों का एडविशन ज्यादा हो इसके लिए हम पूरे तैयारी कर रहे हैं। जैसे की ऑटो से अलाउंस, डोर टू ओर प्रचार प्रसार कर रहे हैं।

अधिकारियों की मनमानी के चलते लोग हुए परेशान

बिजली गुल, रात भर अंधेरे में जागकर गुजारना पड़ी रात

आष्टा, देशबन्धु। विद्युत विभाग की मनमानी के चलते जनता न रात में सुकून से सो पाती है न दिन में। वहीं विद्युत लाईट से होने वाले कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। लाईट का आना जानाा पिछले एक हफ्ते से बरकरार है। अब तो हद हो गई बगैर सूचना के ही लाईट काटी जा रही है। बीती रात तो विद्युत विभाग ने सारी हदें ही पार कर दी। पूरी रात नगर में लाईट नहीं थी। जिसके चलते लोग पूरी रात जागते रहें।

गर्मी और उमस के साथ साथ पूरी रात मच्छरों के आतंक के बीच मजबूर रहे। लाईट नहीं होने के कारण बच्चे बुजुर्ग परेशान होते रहे। विद्युत विभाग के नंबर तक बंद हो चुके थे। और जवाबदार अधिकारी भी अपनी जवाबदारी से पीछे हटते नजर आए। अधिकारियों का एक ही रटा रटाया जवाब होता है। कि फाल्ट हो गई या फिर ज़रासी हवा चलने का बहाना बताकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। पिछले दो तीन महीनों से मेंटेनेस के नाम पर महीनें में कई दिनों तक घंटों लाईट काटी गई। तब लोगों ने यह माना कि मेंटेनेस का कार्य होता है। लेकिन जब कई दिनों तक मेंटेनेस हुआ तो फिर ज़रासी सी हवा पानी में लाईट केसे चले जाती है।

रात भर रहा शहर अंधेरे में

शनिवार की शाम जरा सी हवा और बूंदा बांदी क्या हुई विद्युत विभाग के लिए बड़ा बहाना सामने आया बस फिर क्या था शाम से लेकर सुबह तक विभाग के अधिकारी केवल आश्वासन देते रहे। लाईट जल्दी आ जाएगी। इस विश्वास के साथ लोगों को पूरी रात अंधेरे में गुजारना पड़ी।

न सो पाए ने सुकून से बैठ पाए। पूरी रात जागते रहे। सुबह कुछ घंटे के लिए लाईट रही और फिर घंटों लाईट बंद रही ।दोपहर बाद भी शाम तक लाईट का आना जाना बरकरार रहा।

निर्धारित समय पर नहीं आए नल, पानी के लिए भटकते रहे लोग

रात भर लाईट नहीं रहने के कारण सुबह निर्धारित समय पर नल भी नहीं आए जिसके कारण लोग पानी के लिए यहां वहां भटकते रहे।

लाईट नहीं होने के कारण लोगों के मोटर पम्प भी नहीं चले। नगर के कुछ गिने चुने हैंडपंप है जिनमें अभी इस भीषण गर्मी में भी पर्याप्त पानी है। उन हैंडपंप पर पानी भरने वालों की भीड़ देखी गई। विद्युत विभाग की मनमानी और लापरवाही का खामियाजा जनता को उठाना पड़ा। लाईट का आना जाना शनिवार को भी बरकरार रहा।

मेंटेनेस का कार्य ईमानदारी से करते तो यह दिन नहीं देखने पड़ते

पार्षद प्रतिनिधि शेख रईस ने 2:30 बजे रात को लोगों के बीच उपस्थित होकर सोशल मीडिया पर मीडिया को एक वीडियो जारी किया।

जिसमें कहा कि जनता को हजारों रूपये के बिल थमाकर जबरदस्ती वसूला जा रहा है। शेख रईस ने कहा कि विद्युत विभाग के अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। बार बार लाईट जा रही है। पूरी रात लाईट नहीं है। अधिकारी फोन नहीं उठाते टेलीफोन बंद है। लाईट तत्काल सुधारे नही तो जनता से मिलकर चक्का जाम भी करूंगा।

इनका कहना है

लापरवाह अधिकारी कर्मचारी को र्बदाशत नहीं किया जाएगा। दोबारा लाईट न कटे अधिकारी से बात करूंगा।

गोपाल सिंह इंजीनियर, विधायक

आंधी तूफान के चलते लाईट जगह जगह फाल्ट हुई है। बारिश भी हो रही थी इसलिए सुधारने में समय लगा।

रमेश सिंह, डीई विद्युत विभाग

खेल जगत

बरार ने पत्नी को समर्पित किया 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 22 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पंजाब किंग्स के गेंदबाज हरप्रीत बरार ने अपना 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार पत्नी को समर्पित किया है। आज यहां राजस्थान रॉयल्स को 10 रन से शिकस्त देने के बाद प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंची पंजाब किंग्स के 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने हरप्रीत बरार ने कहा कि मैं बेहद खुश हूं। मैं यह पुरस्कार अपनी पत्नी को समर्पित करना चाहता हूं क्योंकि यह शादी के बाद मेरा पहला पुरस्कार है। हमने बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए बहुत अभ्यास किया है और पोंटिंग सर ने भी हमें कहा था कि एक लेफ्टी, लेफ्टी को आउट कर सकता है। जिस तरह से विकेट खेल रही थी और वह बल्लेबाजी कर रहे थे, हमारी योजना यही थी कि हम उन्हें खराब गेंद ना करें। सुनील जोशी सर के साथ बहुत काम आया है और उन्हें मुझे क्रीज का इस्तेमाल करने और बल्लेबाज को रीड करने में मेरी बेहद मदद की है।

रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को 10 रनों से हराया

- पंजाब किंग्स की यह लगातार तीसरी जीत है
- अंक तालिका में दूसरे स्थान पर और प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंची

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। नेहाल वढेरा (70) और शशांक सिंह (नाबाद 59) की विस्फोटक अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पंजाब किंग्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 60वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 10 रनों से हरा दिया। पंजाब किंग्स की यह लगातार तीसरी जीत है और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर और प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंच गई है।

और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने विस्फोटक बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए पहले विकेट की साझेदारी में ओवर में 76 रन जोड़ डाले। हरप्रीत बराड़ ने पांचवें ओवर की पांचवीं गेंद पर वैभव सूर्यवंशी को आउटकर पंजाब को पहली सफलता दिलाई। वैभव सूर्यवंशी ने 15 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए (40) रनों की पारी खेली। इसके बाद नौवें ओवर में हरप्रीत ने यशस्वी जायसवाल को आउटकर राजस्थान को संकट में डाल दिया। यशस्वी जायसवाल ने 25 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (50) रन बनाये। राजस्थान का तीसरा विकेट संजू सैमसन 16 गेंदों में (20) के रूप में गिरा।उन्हें ओमरजई ने आउट किया। 14वें ओवर में हरप्रीत ने रियान पराग (13) को बोल्ड कर मैच में रोमांच भर दिया। इसके बाद ध्रुव जुरेल और शिमरॉन हेटमायर ने पारी को संभालने का प्रयास किया। ओमरजई ने 18वें ओवर की दूसरी गेंद पर हेटमायर (11) को अपना शिकार बना लिया। 20वें ओवर में मार्को यानसन ने पहले ध्रुव जुरेल 31 गेंदों में (53) और अगली ही गेंद पर वानिंदु हसरंगा (शून्य) को अपना शिकार बनाकर राजस्थान के मुंह से जीत छीन ली। राजस्थान रॉयल्स की टीम निर्धारित 20 ओवरा में सात विकेट पर 209 रन ही बना सकी और मुकाबला 10 रनों से हार गई। इसी के साथ पंजाब किंग्स प्लेऑफ की दहलीज पर पर पहुंच है, अगर शाम काम मैच गुजरात जीत जाती है तो पंजाब, आरसीबी और गुजरात टाइटंस प्लेऑफ में पहुंच जायेगी। पंजाब किंग्स की ओर से हरप्रीत बराड़ ने तीन विकेट लिये। अजमतउल्लाह ओमरजई और मार्को यानसन को दो-दो विकेट मिले।

श्रेयस भाई और मैं, दोनों ने साथ में अच्छा खेला: वढेरा

जयपुर। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज नेहाल वढेरा ने रविवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल 2025 के मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 219/5 रन बनाने के बाद टीम की बल्लेबाजी इकाई को इसका श्रेय दिया। वढेरा पंजाब के विशाल स्कोर के उत्प्रेरक थे क्योंकि उन्होंने 37 गेंदों में पांच छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 70 रनों की पारी खेली और कप्तान श्रेयस अय्यर और शशांक सिंह के साथ दो पचास से अधिक की साझेदारी भी की। यह वढेरा का सीजन का दूसरा अर्धशतक था। अय्यर ने 30 रनों की पारी खेली जबकि शशांक ने 27 गेंदों में अर्धशतक बनाया, जो सीजन का उनका दूसरा अर्धशतक था।शशांक तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 59 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई नौ गेंदों पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने आखिरी चार ओवरों में 60 रन जोड़कर पंजाब को दोपहर के मैच में विशाल स्कोर तक पहुंचाया। वढेरा ने मध्य पारी के ब्रेक के दौरान कहा कि आज वहां बल्लेबाजी करना शानदार रहा। मुझे लगता है कि श्रेयस भाई और मैंने मिलकर अच्छा खेला। मुझे लगता है कि इस विकेट पर 220 रन का स्कोर बहुत अच्छा है।

केकेआर प्लेऑफ से बाहर, फिंच ने कहा अपनी हालत के खुद जिम्मेदार हैं नाइटराइडर्स

बेंगलुरु, 18 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्लेऑफ में पहुंचना अब नामुमकिन हो गया है, क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ उनका मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर आरोन फिंच का मानना है कि अपनी इस हालत के लिए खुद केकेआर ही जिम्मेदार है। शनिवार का मैच केकेआर के लिए बहुत जरूरी था। अगर वे अपने दोनों बचे हुए मैच जीतते, तो उनके 15 अंक हो सकते थे। साथ ही, उन्हें बाकी मैचों के नतीजों में भी मदद की जरूरत थी और नेट रन रेट भी बेहतर करना था। लेकिन बारिश की वजह से मैच रद्द होने पर उन्हें सिर्फ 1 अंक मिला। अब उनके 13 मैचों में कुल 12 अंक ही हैं। फिंच ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि केकेआर की शुरुआत ही अच्छी नहीं हुई। आंद्रे रसेल जैसे मैच जिताने वाले खिलाड़ी को ज्यादातर मैचों में नीचे के क्रम में भेजा गया, जिससे उन्हें मैच पर प्रभाव डालने का पूरा मौका नहीं मिला। टीम की हार के लिए केकेआर खुद ही जिम्मेदार हैं। फिंच ने 7 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार को अहम बताया। उस मैच में केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 179 रन बनाए थे।

केकेआर ने शिवम को किया शामिल

कोलकाता। गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2025 के शेष मैचों के लिए वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोवमैन पॉवेल की जगह मध्य प्रदेश के मिस्ट्री स्पिनर शिवम शुक्ला को शामिल किया है, जिसकी घोषणा रविवार को फ्रेंचाइजी ने की। यह कदम इस बात की पुष्टि के बाद उठाया गया है कि पॉवेल, इंग्लैंड के मोईन अली के साथ, चिकित्सा समस्याओं के कारण शेष सत्र के लिए वापस नहीं आएंगे। केकेआर ने एक बयान में कहा कि रोवमैन एक प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, क्योंकि आईपीएल 2025 का सत्र थोड़े समय के निलंबन के बाद शनिवार को फिर से शुरू हुआ।

केकेआर के खिलाफ मैच रद्द होने के बाद आरसीबी ने टिकट रिफंड की घोषणा की

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने मैच के लिए टिकट रिफंड की घोषणा की है, जिसे शनिवार को लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया था।(फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा कि चूंकि 17 मई 2025 को आरसीबी और केकेआर के बीच मैच खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया था, इसलिए सभी वैध टिकट धारक पूर्ण रिफंड के पात्र हैं। डिजिटल टिकट धारकों को टिकट बुक करने के लिए इस्तेमाल किए गए उनके मूल खाते में 10 कार्य दिवसों के भीतर रिफंड जारी किया जाएगा। यदि आपको 31 मई तक रिफंड नहीं मिलता है, तो कृपया मामले को आगे बढ़ाने के लिए बुकिंग विवरण के साथ refund@ticketgenie.in पर एक ईमेल भेजें।

आईपीएल की रात को सफेद कपड़ों में आए प्रशंसकों ने एक खूबसूरत इशारा किया: मांजरेकर

बेंगलुरु, 18 मई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आईपीएल मैच के दौरान प्रशंसकों द्वारा की गई दिल को छू लेने वाली श्रद्धांजलि की सराहना की, जहां प्रशंसक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली को सम्मानित करने के लिए एकत्र हुए थे। शनिवार शाम को बेंगलुरु का एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम सफेद रंग के समुद्र में तब्दील हो गया, क्योंकि प्रशंसकों ने कोहली के शानदार टेस्ट करियर को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिष्ठित नंबर 18 वाली सफेद जर्सी पहनी थी। हार्दिक इशारा एक विनम्र प्रशंसक अभियान के रूप में शुरू हुआ - एक साधारण सोशल मीडिया पोस्ट जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के समर्थकों से आरसीबी बनाम केकेआर मुकाबले में विराट कोहली की सफेद जर्सी पहनने का आग्रह किया गया, जो हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से उनके संन्यास के सम्मान में था। एक छोटे से विचार के रूप में शुरू हुआ यह विचार जल्द ही एक शक्तिशाली आंदोलन में बदल गया, क्योंकि प्रशंसक एक ऐसे खिलाड़ी की विरासत का जश्न मनाने के लिए एकजुट हुए, जिसने लाल गेंद के खेल को अपना सब कुछ दे दिया। मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि विराट कोहली के लिए प्रशंसकों का जो प्यार है, वह कुछ खास है। यह एक आईपीएल नाइट मैच था, और प्रशंसक भारतीय क्रिकेट इतिहास के एक पल को याद करने के लिए सफेद कपड़े पहने हुए आए थे। यह एक सुंदर इशारा है। पांच साल तक, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को देखने लायक और अधिक लोकप्रिय बनाया। हम अक्सर कहते हैं कि कोई भी खिलाड़ी खेल से बड़ा नहीं है, लेकिन ऐसे समय में जब टेस्ट क्रिकेट प्रशंसकों को आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा था, विराट ने इसे वह ध्यान दिया जिसकी इसे सख्त जरूरत थी। उन्होंने कहा कि वह अभी भी आईपीएल में खेल रहे हैं, लेकिन उनमें हमेशा टेस्ट क्रिकेट को जीवित रखने की इच्छा थी।

करो या मरो के मुकाबले में हैदराबाद से भिड़ेगी लखनऊ

- एसआरएच के पास ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की आक्रामक सलामी जोड़ी है
- किशन की तरह ऋषभ पंत का भी फॉर्म इस सीजन कुछ खास नहीं रहा है

लखनऊ, 18 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के 61वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) का सामना मेजबान लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होगा। जहां एसआरएच की टीम प्रतियोगिता से पहले ही बाहर हो चुकी है, वहीं एलएसजी को अब हर मैच जीतने के साथ-साथ दूसरे परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। आइए देखते हैं इस मैच से जुड़ी हुई कुछ अहम बातें और आंकड़ें। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल पांच मुकाबले हुए हैं, जिसमें एलएसजी का पलड़ा 4-1 से भारी है। वहीं इस मैदान पर दोनों टीमों के बीच अब तक कोई मैच नहीं हुआ। इकाना की पिच की बात की जाए तो यहां पर इस साल दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने आने वाली टीम का पलड़ा भारी रहा है और उन्होंने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं। तो कोई भी टीम यहां टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। एसआरएच के पास ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की आक्रामक सलामी जोड़ी है, लेकिन शुरूआती मैचों को छोड़ दिया जाए तो इस जोड़ी ने निराश ही किया है। इस मैच में भी यह निराशा कायम रह सकती है क्योंकि एलएसजी के स्ट्राइक गेंदबाज आवेश खान और शार्दुल ठाकुर इस जोड़ी को परेशान करते हैं। आवेश ने इन दोनो बल्लेबाजों को दो-दो बार आउट किया है, जबकि अभिषेक तो आवेश पर सिर्फ 64 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। ठाकुर ने अभिषेक को आईपीएल मैचों में तीन बार आउट किया है, जबकि इस दौरान अभिषेक का स्ट्राइक रेट उनके खिलाफ 106 का रहा है। ठाकुर एसआरएच के फिनिशर हेनरिक क्लासेन को भी पांच टी20 पारियों में दो बार आउट कर चुके हैं।

इशान किशन ने इस सीजन की शुरुआत विस्फोटक शतक के साथ की थी, लेकिन उसके बाद उनका फॉर्म कुछ खास नहीं रहा है। इसके बाद उनकी नौ पारियों में छह बार उनका स्कोर दहाई के स्कोर तक भी नहीं पहुंचा है, जबकि आठ बार वह 20 के स्कोर को नहीं पार कर सके हैं। किशन का यह निराशाजनक फॉर्म इस मैच में भी जारी रह सकता है, क्योंकि एलएसजी के स्टार लेग स्पिनर रवि बिश्नोई उन्हें सात आईपीएल पारियों में चार बार आउट कर चुके हैं, जबकि किशन का इस दौरान स्ट्राइक रेट सिर्फ 92 का रहा है। किशन को इसके अलावा आकाश दीप भी परेशान करते हैं, जिन्होंने दो आईपीएल पारियों में किशन को दो बार आउट किया है, जबकि किशन इस दौरान आकाश पर 91 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

किशन की तरह ऋषभ पंत का भी फॉर्म इस सीजन कुछ खास नहीं रहा है और वह 10 पारियों में सिर्फ 99.22 के स्ट्राइक रेट और 12.80 की औसत से 128 रन बना पाए हैं, जिसमें एक 63 का भी स्कोर शामिल है। इस मैच में भी वह निराश कर सकते हैं क्योंकि एसआरएच के मिडिल और डेथ ओवर स्पेशलिस्ट हर्षल पटेल ने उन्हें पांच पारियों में तीन बार आउट किया है।इसके अलावा जयदव उनादकट ने भी पंत को पांच पारियों में दो बार आउट किया है, जबकि कमिंस ने पंत को सिर्फ एक बार आईपीएल में आउट किया है, लेकिन पंत, कमिंस पर सिर्फ 103 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं।

सार संक्षेप

वेगा के दोहरे गोल से टोलुका, मैक्सिको लीगा के फाइनल में

मेक्सिको सिटी। एलेक्सिस वेगा के दो शानदार गोल की बदौलत डेपोर्टिवो टोलुका फुटबॉल क्लब ने रविवार को टाइग्रेस यूएएनएल पर 3-0 से जीत दर्ज मैक्सिको की लीगा एमएक्स क्लॉसुरा फाइनल में जगह बना ली है। नेमेसियो डाइज स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में मेजबान टीम टोलुका के लिए 18वें मिनट में वेगा ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 78वें मिनट में एडगर लोपेज ने वेगा के पास पर दो डिफेंडरों को कुशलता से चकमा देते हुए टीम के लिए दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। वेगा ने 82वें मिनट में पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से एक शक्तिशाली शॉट के जरिए अपना दूसरा गोल किया। इसी के साथ स्कोर 3-0 के साथ मुकाबले में अपनी जीत सुनिश्चित की। पहले चरण में दोनों टीमों के बीच 1-1 से बराबरी के बाद टोलुका को कुल मिलाकर 4-1 से जीत मिली। टोलुका का मुकाबला 22 और 25 मई को होने वाले दो चरणीय फाइनल में क्लब अमेरिका या क्रूज अजुल के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा।

जीएसटी जन जागरुकता को लेकर हुई साइकिल मैराथन

देहरादून। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) लागू होने की आठवीं वर्षगांठ एक जुलाई से पूर्व रविवार को देहरादून में जन जागरूकता के लिए एक साइकिल मैराथन का आयोजन किया गया। फिटनेस और कार्यबल के बीच एकता की भावना और देश में जीएसटी के कार्यान्वयन के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने उद्देश्य से आज सुबह 6:30 बजे महाराणा प्रताप चौक से आठवें जीएसटी दिवस की थीम 'जीएसटी के आठ वर्ष : करों का सरलीकरण और नागरिकों का सशक्तीकरण' के संदेश से मैराथन शुरू हुई। जीएसटी के प्रधान आयुक्त शुभ चिंतन ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लगभग पांच किलोमीटर की दूरी तय करते हुए यह साइकिल मैराथन माल देवता रोड पर संपन्न हुई। मैराथन में अपर आयुक्त अरूण कुमार गुप्ता एवं नितिन वापा, संयुक्त आयुक्त विवेकानंद मौर्य के नेतृत्व में सभी सीजीएसटी आयुक्तालय, देहरादून तथा लेखा परीक्षा कार्यालय, देहरादून के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया।

पाओलिनी ने गॉफ को हराकर ऐतिहासिक रोम खिताब जीता

रोम (इटली), 18 मई (एजेंसियां)। घरेलू पसंदीदा जैस्मीन पाओलिनी ने शनिवार को इंटरनैशनली बीएनएल डी इटालिया में इतिहास रच दिया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि चार दशकों में पहली बार, इटैलियन इंटरनेशनल के पास महिला एकल में इतालवी चैंपियन है। पाओलिनी ने रोम में पक्षपातपूर्ण भीड़ को रोमांचित कर दिया, क्योंकि नंबर 6 सीड पाओलिनी ने कैम्पो सेंट्रल में फाइनल में नंबर 4 सीड कोको गॉफ को 6-4, 6-2 से हराकर ऐतिहासिक खिताब जीता। पाओलिनी 40 साल पहले 1985 में राफैला रेगी के बाद अपने देश के सबसे बड़े आयोजन में जीत हासिल करने वाली पहली महिला हैं। इसके अलावा, रेगी ने खिताब तब जीता जब यह आयोजन टोरंटो में आयोजित किया गया था, जिसका अर्थ है कि पाओलिनी ओपन एरा (1968 से) के दौरान अपनी राष्ट्रीय राजधानी रोम में इंटरनैशनली बीएनएल डी इटालिया खिताब जीतने वाली पहली महिला थीं। इस प्रकार वह ओपन एरा में रोम के फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी इतालवी महिला बन गईं, जिन्होंने पहले सेट में 4-1 से पिछड़ने के बाद, दो सेट पॉइंट बचाते हुए, 1 घंटे और 39 मिनट में पीटन स्टर्न्स को 7-5, 6-1 से हराया। दो शीर्ष-5 खिलाड़ियों के बीच शिखर संघर्ष में, पाओलिनी को गॉफ को हराने और 2024 में दुबई में अपनी जीत के बाद अपना दूसरा करियर डब्ल्यूटीए 1000 खिताब हासिल करने के लिए केवल 1 घंटे और 29 मिनट की आवश्यकता थी। यह पाओलिनी का कुल मिलाकर तीसरा डब्ल्यूटीए एकल खिताब है - और क्ले पर उनका पहला। गॉफ ने अपने करियर की पहली दो भिड़ंत जीतीं, लेकिन वे हार्ड कोर्ट पर थीं, और पाओलिनी ने क्ले पर अपनी प्रतिद्वंद्विता पर नियंत्रण कर लिया है। पाओलिनी ने पिछले महीने स्टटगार्ट में इनडोर क्ले पर गॉफ को पहली बार हराया था और अब उन्होंने रोम में मिट्टी पर उस जीत को बरकरार रखा है, जिससे उनका कुल हेड-टू-हेड 2-2 हो गया है। अब पाओलिनी के सोमवार को विश्व नंबर 4 की अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग पर लौटने का अनुमान है, जो रौलां गैरो सीडिंग में संभावित शीर्ष 4 स्थान के लिए समय है। इस बीच, गॉफ सोमवार को नंबर 2 की अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग पर वापस आ जाएंगी। पाओलिनी का इस पखवाड़े में भी खेल खत्म नहीं हुआ है।

> पाओलिनी 1985 में राफैला रेगी के बाद अपने देश के सबसे बड़े आयोजन में जीत हासिल करने वाली पहली महिला हैं

इटैलियन इंटरनेशनल

मोतिहारी के रवि यादव ने तलवारबाजी में जीता कांस्य पदक

■ थोड़ी सी चूक के कारण हम लोग गोल्ड मेडल लाने से चूक गए : रवि यादव

पटना, 18 मई (एजेंसियां)। बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मोतिहारी के रवि यादव ने तलवारबाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर चंपारण का मान सम्मान बढ़ाया है वहीं बिहार से चयनित 24 खिलाड़ियों में मात्र एक खिलाड़ी ने ही मेडल लाकर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया है। राजगीर में आयोजित खेलो इंडिया प्रतियोगिता में मोतिहारी से तलवारबाजी के लिए काफी संख्या में खिलाड़ियों का चयन किया गया था लेकिन रवि कुमार यादव ने कई खिलाड़ियों को हराकर कांस्य पदक जीतने का काम किया। रवि यादव ने कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताई है लेकिन वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक बार फिर शामिल होकर देश के लिए गोल्ड मेडल लाने का उम्मीद भी दिखाई है। रवि यादव ने कहा कि थोड़ी सी चूक के कारण हम लोग गोल्ड मेडल लाने से चूक गए लेकिन आने वाले समय में वर्ल्ड चैंपियनशिप में हम बेहतर परफॉर्म करेंगे । पूर्वी चम्पारण तलवारबाजी संघ के सचिव अप्पू कुमार ने कहा कि थोड़ी सी चूक के कारण हमारे खिलाड़ी गोल्ड मेडल नहीं लाये लेकिन आने वाले समय में वर्ल्ड चैंपियन के साथ-साथ कई खेल के आयोजन होने है जिसमें हमारे खिलाड़ी बेहतर परफॉर्म करेंगे, ऐसा हम सभी को उम्मीद है।

छेत्री ने बेंगलुरु में महिला राष्ट्रीय शिविर का दौरा किया

> यह एक अद्भुत अनुभव है पिछली बार जब मैं इस टीम से मिला था, तब से अब इसमें बहुत ज्यादा पुराने चेहरे नहीं बचे हैं, जो बताता है कि मैं कितना उम्रदराज हो गया हूं : सुनील छेत्री

बेंगलुरु, 18 मई (एजेंसियां)। सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने यहां महिला राष्ट्रीय शिविर का दौरा किया और टीम ने फारवर्ड को सभी टीम सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित एक भारतीय किट भी भेंट की। छेत्री ने महिला टीम के लिए कुछ उत्साहवर्धक शब्द कहे, क्योंकि वे अगले महीने होने वाले एएफसी महिला एशिया कप 2026 क्वालीफायर की तैयारी कर रही हैं। क्रिस्पिन छेत्री द्वारा प्रशिक्षित सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम वर्तमान में बेंगलुरु में पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही है, और शहर में 29 मई और 3 जून को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो फीफा महिला अंतर्राष्ट्रीय मैत्री मैच भी खेलेगी। हालांकि यह पहली बार नहीं था जब छेत्री ने महिला टीम का दौरा किया, लेकिन उन्होंने शिविर में कई नए चेहरों को देखकर आश्चर्य व्यक्त किया। छेत्री ने कहा कि यह एक अद्भुत अनुभव है। पिछली बार जब मैं इस टीम से मिला था, तब से अब इसमें बहुत ज्यादा पुराने चेहरे नहीं बचे हैं, जो बताता है कि मैं कितना उम्रदराज हो गया हूं। यहां बहुत से युवा खिलाड़ी हैं, और मुझे उनके बारे में मुख्य कोच से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने कहा कि हर कोई खुश और खुश दिख रहा था। उन्हें उज्बेकिस्तान और फिर एशिया कप क्वालीफायर में कुछ अच्छे दोस्ताना मैच खेलने हैं, और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मैं बस यही चाहता हूं कि वे खुश रहें, एक साथ सहज महसूस करें और अपने प्रशिक्षण का आनंद लें। ग्रुप बी में शामिल भारतीय महिला टीम 23 जून को थाईलैंड के चियांग माई में मंगोलिया के खिलाफ अपने एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफाइंग अभियान की शुरुआत करेगी, जिसके बाद वे तिमोर-लेस्ते (29 जून), इराक (2 जुलाई) और मेजबान थाईलैंड (5 जुलाई) से खेलेगी।

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	12	8	3	17	+0.482
2-	पंजाब किंग्स	12	8	3	17	+0.389
3-	गुजरात टाइटंस	11	8	3	16	+0.793
4-	मुंबई इंडियंस	12	7	5	14	+1.156
5-	दिल्ली कैपिटल	11	6	4	13	+0. 362
6-	कोलकाता नाइट राइडर	13	5	6	12	+0.193
7-	लखनऊ सुपर जायंट्स	11	5	6	10	+0.469
8-	सनराइजर्स हैदराबाद	11	3	7	6	-1.192
9-	राजस्थान रॉयल्स	13	3	10	6	-0.701
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	12	3	9	4	-0.922

कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिए राज्य कर्मचारी संघ ने किया अभिनंदन, मुख्यमंत्री ने कहा-

कर्मयोगी हैं कर्मचारी, उनकी कर्तव्य निष्ठा से ही अग्रणी राज्यों में शामिल है मध्यप्रदेश

कर्मचारियों को मिलेगा स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आम आदमी के जीवन को सुगम बनाने के लिए सुव्यवस्था स्थापित करना राज्य सरकार का उद्देश्य है। इस मंशा का सफल क्रियान्वयन सरकार के कर्मचारियों पर निर्भर करता है, इस दृष्टि से प्रदेश के कर्मचारी सच्चे कर्म योगी हैं। कर्मचारियों के परिश्रम और समर्पण से ही जनकल्याण और विकास के पथ पर हमारा प्रदेश अग्रसर है। कर्मचारियों की कर्तव्य निष्ठा से जनहित की योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्य में शामिल हुआ है। प्रदेश के कर्मचारी सरकार और जनता के बीच नल और नील की तरह सेतु बनाने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवींद्र भवन में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अभिनन्दन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा गत माह लिए गए कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिऐ मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने रविंद्र भवन में उनका अभिनंदन किया। कर्मचारी संघ के सदस्यों ने अंगवस्त्रम भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ.यादव का तिलक किया। इसके साथ ही उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। कर्मचारी संघ की ओर से मुख्यमंत्री डॉ.यादव को वृहद आकार की मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद मां सरस्वती और पूर्व वरिष्ठ श्रमिक नेता स्व. दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव तथा महामंत्री जितेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्मचारी संघ की ओर से कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की मांग स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने केंद्र सरकार का अनुसरण करते हुए प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केंद्र के समान करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही 9 वर्षों से लंबित हाउस रेंट अलाउंस की मांग को भी पूरा किया गया है। इसके साथ ही अधिकारियों- कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुविधा को देखते हुए प्रदेश में स्थानांतरण नीति का क्रियान्वयन किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान का वादा किया था। क्रमबद्ध रूप से सभी समस्याओं का निराकरण किया गया है। रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विशेष अभियान संचालित हैं। पुलिस में सभी पद भरे गए हैं। इसके साथ ही सभी जिलों में बैंड की पुलिस बैंड की स्वीकृति प्रदान की गई है। रिक्त हुए पदों को प्रतिवर्ष लोक सेवा आयोग की परीक्षा आयोजित कर भरने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। शासकीय कर्मचारियों की सुविधा के लिए शासकीय आवास की व्यवस्था प्राथमिकता पर की जा रही है। प्रदेश में लोक परिवहन के लिए बस सेवा भी आरंभ होने जा रही है इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्मचारियों की स्वास्थ्य बीमा संबंधी मांग स्वीकृत करने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभिनंदन के लिए कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि सरकार और कर्मचारी प्रदेशवासियों के जीवन की बेहतरी के लिए एक टीम की तरह लगातार काम करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल माधव दवे को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माँ नर्मदा के अनन्य सेवक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. अनिल माधव दवे की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नदी का घर पहुंच कर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. अनिल माधव दवे के कार्यों और व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए कहा कि स्व. दवे ने अपनी कर्तव्य-परायणता के साथ पूरा जीवन जनसेवा को समर्पित कर दिया। उन्होंने सदैव नदियों, वनों और पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए नए प्रतिमान स्थापित किए। उनका सम्पूर्ण जीवन सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए अथाह ऊर्जा का स्रोत है। स्व. अनिल माधव दवे पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी नि:स्वार्थ सेवाओं और विशेष रूप से नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने 'नमामि देवि नर्मदे' यात्रा जैसी अनेक पहलों के माध्यम से जनजागरण किया और पूरे समाज को प्रकृति के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी।

विजयवर्गीय ने डिजिटल लाइब्रेरी का किया लोकार्पण, कहा-

पत्रकारों का तीर्थस्थल है माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि किसी शहर के संग्रहालय और शिक्षण संस्थान धरोहर के समान हैं इनका समृद्ध होना समाज के गौरव को बढ़ाता है। उन्होंने माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय के गौरवशाली इतिहास की प्रशंसा की। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि आधुनिक युग में नौजवान पीढ़ी के लिये डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा बहुत उपयोगी रहेगी। मंत्री श्री विजयवर्गीय रविवार को भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के मौके पर डिजिटल लाइब्रेरी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में संग्रहालय की स्थापना से लेकर अब तक के सफर में सहयोग करने वाली संस्थाओं और हस्तियों का सम्मान किया गया।

उन्होंने कहा कि सप्रे संग्रहालय की शुरूआत एक छोटे स्वरूप में हुई थी। लगभग पिछले 4 दशकों में इस संस्थान ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर ली है। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री सुरेश पचौरी ने अपने उदबोधन में कहा कि विजयदत्त श्रीधर ने अपनी लगन से भोपाल शहर को एक अमूल्य धरोहर दी है, जिसका लाभ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को निरंतर मिलता रहेगा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री पचौरी ने भारतीय स्टेट बैंक के सीएसआर फंड से दी जाने वाली मदद को सराहनीय बताया। संस्थान के संस्थापक सदस्य विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान पुस्तकालय सेवा के 3 प्रारूप में कार्यरत है। पत्रकार एवं पाठक वर्ष 1984 से इसका लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक की सामाजिक सेवा बैंकिंग के अंतर्गत सीएसआर मद से उपलब्ध धन राशि से सप्रे संग्रहालय के 20 लाख दुर्लभ दस्तावेजों और पुराने जर्जर पृष्ठों का डिजिटलीकरण हुआ है। समारोह में सहयोग देने वाली संस्थाओं के साथ शिवकुमार अवस्थी, स्व. सुरेश शर्मा, स्व. शौकत रमूजी के उल्लेखनीय योगदान के लिये उनके परिजनों को सम्मानित किया गया।

देवी अहिल्या बाई को समर्पित होगी मंत्रिपरिषद की बैठक, इंदौर के राजवाड़ा में कल होगा आयोजन

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार देवी अहिल्या बाई माता होल्कर का 300वां जयंती वर्ष पूरे हर्षोल्लास से मना रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन, स्वावलंबन, आत्म-निर्भरता और महिला कल्याण की मिसाल लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के पुण्य सम्मान में मध्यप्रदेश सरकार की मंत्रि-परिषद की बैठक 20 मई को इंदौर शहर के राजवाड़ा में होगी। यह पहली बार होगा, जब मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक राजवाड़ा जैसे ऐतिहासिक स्थल पर होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मीडिया के लिए जारी संदेश में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजवाड़ा में मंत्रि-परिषद की बैठक देवी अहिल्या बाई होल्कर के गौरवपूर्ण जीवन और उनके योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक पुण्य अवसर होगा। उन्होंने कहा कि राजवाड़ा भवन का निर्माण कार्य मल्हार राव होलकर द्वारा प्रारंभ किया गया था, जिसे लोकमाता अहिल्या बाई माता ने पूर्ण कराया था, उसी स्थल पर अब मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित कर उन्हें नमन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजवाड़ा में होने वाली मंत्रि-परिषद की बैठक में राज्य की जनता के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

20 से 31 तक होंगे विविध आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 20 मई से 31 मई तक पूरे राज्य में अलग-अलग सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 19 मई को इंदौर में एक मंचीय कार्यक्रम होगा, जिसमें लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के जीवन के विविध पहलुओं को एक लघु नाटिका के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह अद्भुत प्रस्तुति नागपुर, महाराष्ट्र से आये सुघड़ कलाकारों द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की जन्म जयंती को और अधिक स्मरणीय बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 31 मई को भोपाल में भी एक बड़ा आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी कहा कि देवी अहिल्या बाई होल्कर, न केवल सुशासन, स्वावलम्बन और महिला सशक्तिकरण की प्रतीक थीं, बल्कि उन्होंने विधवा पुनर्विवाह और कई जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से तत्कालीन समाज को एक नई दिशा दी।

शहीद स्थल सिंहपुर में हुआ श्रीराम महायज्ञ

शहीदों का बलिदान अविस्मरणीय : डॉ. सिंह

भोपाल, देशबन्धु। छतरपुर जिले के बुन्देलखण्ड जलियांवाला बाग सिंहपुर शहीद स्थल पर आयोजित श्रीराम महायज्ञ में शामिल हो कर डॉ. अवधेश प्रताप सिंह, प्रमुख सचिव मप्र विधान सभा द्वारा शहीदों की स्मृति में आहुतियाँ दी गई। उनके साथ निर्मोही अखाड़ा जान राय टोरिया अजानभुज सरकार के महंत श्रृंगारी महराज सहित साधु संत एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे।

विधान सभा प्रमुख सचिव डॉ सिंह ने सबसे पहले शहीद स्मारक पहुँचकर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शहीदों की आत्मा की शांति व क्षेत्र के कल्याणार्थ चरणपादुका शहीद स्थल पर यह पवित्र आयोजन देश भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम है।

उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान अतुलनीय है चाहे वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का हो या अभी ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सेना के वीर जवानों का हो। समय समय पर देश के लिए बलिदान की आवश्यकता रहती है।

डॉ. सिंह ने कहा कि अगर पूजे न गए शहीद तो ये पंथ कौन अपनायेगा.. शहीदों की स्मृति में ऐसे आयोजन समाज और युवापीढ़ी को प्रेरणा के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन छतरपुर के अध्यक्ष शंकर लाल सोनी, संतोष गांगेले सहित कई पदाधिकारी व आमजन उपस्थित थे।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।